राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार, 06 अप्रैल 2026
वर्ष 14, अंक 345, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

संपूर्ण समाधान दिवस में 77 शिकायतें दर्ज, कई का मौके पर निस्तारण...03

48 घंटे बाद कहर टूट पड़ेगा, होर्मुज नाकेबंदी पर ट्रंप की ईरान को धमकी...04

शराब नीति केसः केजरीवाल खुद लड़ेंगे अपनी जंग, कल हाई कोर्ट में रखेंगे अपना पक्ष

●आबकारी नीति कथित घोटाले मामले में अरविंद केजरीवाल सोमवार को खुद दिल्ली हाईकोर्ट में पेश होकर अपनी दलील रखेंगे. इससे पहले 1 अप्रैल 2026 को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने केजरीवाल को नोटिस जारी किया है

दिल्ली की आबकारी नीति कथित घोटाले मामले में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल सोमवार को खुद दिल्ली हाईकोर्ट में पेश होकर अपनी दलील रखेंगे. दरअसल, कथित शराब घोटाले में अरविंद केजरीवाल और कई अन्य पूर्व आरोपियों ने दिल्ली हाई कोर्ट में जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष 'रिक्यूजल' (सुनवाई से हटने) की अर्जी दाखिल की है. दरअसल, दिल्ली आबकारी नीति केस में 22 जनवरी को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट यानी निचली अदालत ने अरविंद केजरीवाल से जुड़े मामले में फैसला सुनाया था। इस पूरे मामले में गौर करने वाली बात यह कि इस मामले में पिछली सुनवाई के दौरान समय लेने के बावजूद एक को छोड़कर किसी भी प्रतिवादी ने अपना जवाब दाखिल नहीं किया है. दरअसल, अदालत ने अरविंद केजरीवाल को लोक सेवक के आदेश की अवहेलना करने और ईडी के छह समन को नजरअंदाज करने के आरोप से बरी कर दिया था. इसके बाद ईडी ने अरविंद केजरीवाल के बरी होने के फैसले के खिलाफ दो याचिकाएं दायर की थी. इस पर 1 अप्रैल 2026 को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने केजरीवाल को नोटिस जारी कर 29 अप्रैल तक जवाब मांगा है, जिस पर 22 जनवरी को ट्रायल कोर्ट से मिली क्लीन चिट को चुनौती दी गई है. अब इस मामले में आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल सोमवार को खुद हाई कोर्ट में पेश होंगे. इस दौरान केजरीवाल हाई कोर्ट में जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष 'रिक्यूजल' दलील रखेंगे।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को हटाने की मांग करेंगे

बताया जा रहा है कि केजरीवाल शराब घोटाले के मामले में उनके और अन्य लोगों के बरी होने के खिलाफ अपील की सुनवाई से जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को हटाने की मांग करेंगे. आप ने कहा कि केजरीवाल और अन्य, जिन्हें यहां की एक विशेष अदालत ने शराब घोटाला मामले में बरी कर दिया था, इसके बाद न्यायमूर्ति शर्मा को इस मामले से अलग करने के लिए एक आवेदन दिया है. सोमवार को पार्टी प्रमुख केजरीवाल इस मामले में पैरवी करेंगे.

जस्टिस शर्मा पर 'पक्षपात' का आरोप

इससे पहले अपने पत्र में, केजरीवाल और अन्य लोगों ने जस्टिस शर्मा पर 'पक्षपात' का आरोप लगाया था और मांग की थी कि निष्पक्षता सुनिश्चित करने और न्याय प्रशासन में जनता के विश्वास की रक्षा के लिए मामले की सुनवाई एक निष्पक्ष पीठ द्वारा की जानी चाहिए. उन्होंने दावा किया कि इसी मामले में न्यायाधीश द्वारा पारित कई आदेशों को सर्वोच्च न्यायालय ने पलट दिया है. वहीं, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल जैसे शीर्ष राजनेता के अदालत के सामने पेश होने का यह दूसरा उदाहरण होगा. इससे पहले ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन से संबंधित मामले में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पैरवी कर चुकी हैं।

कानपुर किडनी ट्रांसप्लांट कांडः फरार डॉक्टर का नोटों के साथ वीडियो वायरल

●कानपुर के आहूजा अस्पताल में फर्जी किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट के खुलासे के बाद फरार डॉक्टर का नोटों की गड्डियों के साथ वीडियो वायरल हुआ है. पुलिस मामले की गहराई से जांच में जुट गई है।

वैसे तो डॉक्टर को धरती का भगवान कहा जाता है, लेकिन कुछ डॉक्टर ऐसे भी होते है जो पैसे के लिए मरीजों की जान भी दांव पर लगा देते है. ऐसे ही कुछ डॉक्टर्स का भंडाफोड़ कानपुर के किडनी कांड में हुआ है. इस कांड से जुड़े रोज नए-नए अपडेट सामने आ रहे हैं. अब किडनी कांड मामले में फरार आरोपी डॉक्टर अफजाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वह नोटों पर गड्डी पर लेटा हुआ नजर आ रहा है।

कानपुर के आहूजा अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट के फर्जी खेल का 31 मार्च मंगलवार को भंडाफोड़ हुआ था. छापेमारी से कुछ दिन पहले डोनर छात्र आयुष को यहां लाया गया था और रिसीवर युवती को किडनी लगाई गई थी. इसके एवज में लाखों रुपए का हेर फेर हुआ और पूरे गैंग का भंडाफोड़ हो गया. इसके बाद कई डॉक्टर्स समेत 9 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया. इस गैंग के तार कानपुर के बाहर कई प्रदेशों ने जुड़ते जा रहे हैं।

फरार डॉक्टर अफजाल का वीडियो वायरल

अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें कानपुर किडनी ट्रांसप्लांट मामले में फरार चल रहा डॉक्टर अफजाल 500-500 के नोटों की गड्डियों के साथ बेड पर लेटकर पैसों का शक्ति प्रदर्शन करता नजर आ रहा है. इस वीडियो में उसके साथ में एक आदमी और दिखाई पड़ रहा है, जो उसका ड्राइवर परवेज सैफी बताया जा रहा है. यह दोनों बेड पर कई लाख रुपए की गड्डियां रखकर लेटे नजर आ रहे हैं।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

यह वीडियो कब का है? कैसे यह वायरल हुआ और वीडियो में दिख रहा पैसा कहां से आया जैसे सवालों की जांच में पुलिस जुट गई है. साथ ही वीडियो में दिख रहे डॉक्टर की तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है. इस कांड के तार अब पंजाब के मोहाली सहित देश के कई राज्यों से जुड़ते नजर आ रहे हैं. पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही पूरे गिरोह का खुलासा कर लिया जाएगा।

संक्षिप्त ख़बरें

बवाना में एलपीजी सिलेंडरों की भारी जमाखोरी का भंडाफोड़, दिल्ली पुलिस ने 75 सिलेंडर जब्त किए, एक गिरफ्तार

पश्चिमी एशिया में जारी युद्ध के कारण पैदा हुए ऊर्जा संकट के बीच, दिल्ली पुलिस ने राजधानी के बवाना इलाके में एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध भंडारण करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। शुक्रवार को दी गई जानकारी के अनुसार, पुलिस ने इस मामले में अनिल (50) नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और उसके पास से कुल 75 सिलेंडर बरामद किए हैं। अधिकारी ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में एलपीजी सिलेंडरों के अवैध भंडारण और परिवहन की गुप्त सूचना मिलने के बाद आरोपी को पकड़ा गया। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने बृहस्पतिवार शाम बवाना के डिस्ट्रिक्ट पार्क के पास घेराबंदी की। शाम करीब चार बजे एक पिकअप ट्रक को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें से 27 एलपीजी सिलेंडर बरामद हुए। इनमें घरेलू और व्यावसायिक, दोनों तरह के सिलेंडर शामिल थे। अधिकारी ने कहा, पूछताछ के दौरान आरोपी सिलेंडरों से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज, लाइसेंस, परमिट, स्टॉक रजिस्टर या स्वामित्व का प्रमाण पेश नहीं कर सका। पूछताछ में अनिल ने खुलासा किया कि पास के परिसरों में और भी सिलेंडर रखे हुए हैं। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने इलाके की एक फैक्ट्री के पास दो कमरों और लोहे के एक शेड पर छापा मारा। अधिकारी ने बताया, वहां से 48 अतिरिक्त सिलेंडर बरामद किए गए, जिससे कुल जब्ती 75 हो गई है। सिलेंडरों को बिना किसी सुरक्षा उपाय या कानूनी अनुमति के रखा गया था, जिससे गंभीर खतरा हो सकता था।

होर्मुज़ संकट और एलपीजी की किल्लत

यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब भारत में एलपीजी आपूर्ति को लेकर दबाव बना हुआ है। अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच जारी भीषण संघर्ष के कारण होर्मुज़ जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) के माध्यम से समुद्री आपूर्ति मार्ग बाधित हो गए हैं। इस रणनीतिक मार्ग के बंद होने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिसका सीधा असर भारत में एलपीजी की उपलब्धता पर पड़ा है। इसी संकट का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व सिलेंडरों की जमाखोरी और ऊंचे दामों पर कालाबाजारी करने की कोशिश कर रहे हैं।

गैर-जमानती वारंट पर IO को सस्पेंड करना भारी पड़ाः हाईकोर्ट ने बस्ती एसपी को दी अवमानना की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

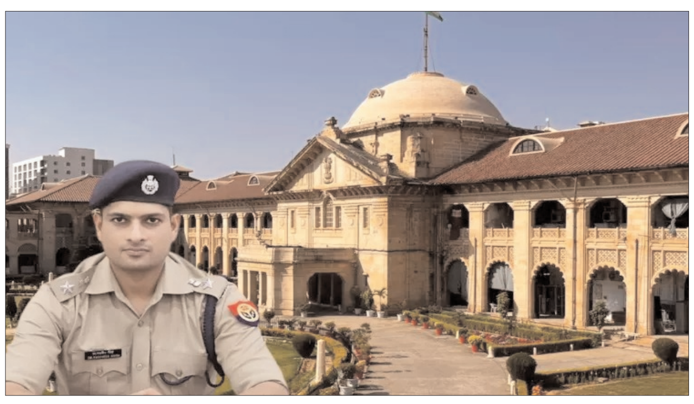

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बस्ती के पुलिस अधीक्षक द्वारा एक जांच अधिकारी को निलंबित किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे प्रथम दृष्टया अदालत की अवमानना करार दिया। बता दें, यह मामला उस समय सामने आया, जब जांच अधिकारी ने आरोपियों की पेशी सुनिश्चित कराने के लिए गैर-जमानती वारंट प्राप्त किया था। जस्टिस जे.जे. मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने कहा कि एसपी द्वारा जारी निलंबन आदेश अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-2, बस्ती के आदेश की अवहेलना जैसा प्रतीत होता है। मजिस्ट्रेट ने जांच अधिकारी के आवेदन पर विचार कर वारंट जारी किया था।

मामला रत्नेश कुमार उर्फ राजू शुक्ला की ओर से दायर आपराधिक रिट याचिका से जुड़ा है। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि जैसे ही जांच अधिकारी ने आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट के लिए आवेदन किया, उसे तुरंत निलंबित कर दिया गया। हाईकोर्ट ने पहले ही एसपी से व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर यह स्पष्ट करने को कहा था कि किन परिस्थितियों में यह कार्रवाई की गई और अब जांच कौन कर रहा है। हालांकि 2 अप्रैल को दाखिल हलफनामा अदालत को संतोषजनक नहीं लगा।

याचिकाकर्ता की ओर से दाखिल अतिरिक्त हलफनामे में कहा गया कि जांच अधिकारी को इस आधार पर निलंबित किया गया कि उसने पर्याप्त साक्ष्य जुटाए बिना गैर-जमानती वारंट हासिल किया। इस पर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि गैर-जमानती वारंट जारी करना अदालत का विशेषाधिकार है, न कि पुलिस अधीक्षक की राय का विषय।अदालत ने कहा, 'वारंट जारी करना अदालत का विवेकाधिकार है, न कि पुलिस अधीक्षक की राय पर निर्भर प्रक्रिया।' कोर्ट ने एसपी को एक सप्ताह के भीतर नया व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश देते हुए पूछा कि जब वारंट अदालत ने अपने विवेक से जारी किया तो जांच अधिकारी पर बिना साक्ष्य वारंट लेने का आरोप कैसे लगाया गया। हाईकोर्ट ने चेतावनी दी कि यदि संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया तो एसपी के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू की जा सकती है। मामले की अगली सुनवाई 10 अप्रैल को निर्धारित की गई।

जय भीम शोभा यात्रा की बैठक कोसफ़रा कला में संपन्न

कोरांव प्रयागराज। लगातार तीन वर्ष की तरह इस वर्ष भी संविधान निर्माता बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर जी की जयंती के पूर्व दिन 13 अप्रैल को जय भीम शोभा यात्रा बड़ोखरा रतेवरा से निकाली जाएगी और तराँव कोरांव के सी एन सिंह गेस्ट हाउस में गोष्ठी कर समापन किया जाएगा शोभा यात्रा को संपन्न बनाने के लिए कई पदाधिकारियों का चयन किया गया जिसमे संस्थापक दिनेश चौधरी अध्यक्ष पवन सिंघाल पटेल व एडवोकेट लवकुश कोल आयोजक अमित जैसल उपाध्यक्षगण सत्येंद्र पाल नीरज मौर्य राजेश गौतम कृपा शंकर पटेल कोषाध्यक्ष डॉ कमलेश गौतम महासचिवगण विनय चौधरी राजेश कनौजिया कृष्णकांत बौद्ध धर्मराज उर्फ पप्पू धरकार बनाये गए इस दौरान दिनेश चौधरी ने कहा यह यात्रा बुद्ध जी के शांति का संदेश देता है और पवन सिंघाल ने कहा कि यह यात्रा अम्बेडकर जी के क्रांतिकारी मिशन को समाज में जागरुकता को लेकर उत्साहित करता है।

अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष की संदिग्ध मौत, चेहरे पर गंभीर चोट के निशान...बेटे-बहू पर हत्या का आरोप

●मिर्जापुर में उद्घाटन के 14 दिन बाद टूटा दूसरा पीपा पुल; मझवां विधायक ने किया था उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। मिर्जापुर जिले में एक और पीपा पुल निर्माण के कुछ ही दिन बाद तेज बहाव में टूट गया। मझवां विधायक शुचिस्मिता मौर्य ने 14 दिन पहले इसका उद्घाटन किया था. 2 करोड़ 45 लाख की लागत से तैयार पीपा पुल एक भी आंधी नही झेल पाया पीपा पुल क्षतिग्रस्त हो जाने के बाद मिर्जापुर क्कुष्ठ के अधिशासी अभियंता ने विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि 3 अप्रैल को तेज आंधी आने के कारण पानी बढ़ गया था. किनारा खिसक रहा है, जिसके कारण दो दिन आवागमन बाधित रहेगा. मरम्मत के बाद 6 अप्रैल को पीपा पुल फिर से खोल दिया जाएगा।

कई गांवों को मिल रही थी सुविधाः यह पीपा पुल गंगा नदी पर बना है, जो नेवढ़िया घाट से गेगराव घाट को जोड़ता है. इस पुल से भदोही के महाराजगंज के साथ ही मिर्जापुर सिटी और मझवां ब्लॉक के कई गांव तक आवागमन होता था। मझवां विधानसभा क्षेत्र में नेवढ़ियां घाट से गेगराव घाट पर बने पीपा पुल का भाजपा विधायक सुचिस्मिता मौर्या ने 21 मार्च को लोकार्पण किया था. 2 करोड़ 45 लाख की लागत से 700 मीटर लंबा पीपा पुल बनाया गया था। पीपा पुल बनने से भदोही महराजगंज से मिर्जापुर आने जाने वाले लोगों को फायदा मिल रहा था।

मझवां विधायक शुचिस्मिता मौर्य ने पीपा पुल के लोकार्पण के दिन कहा था इस पुल का बड़ी आवश्यकता थी. कुछ कारणों से यह नहीं हो पा रहा था, लेकिन आप लोगों का उपचुनाव में आशीर्वाद मिला, पत्र भी मिलता रहा. अब पीपा पुल से लोगों को सुविधा मिलेगी। मिर्जापुर जनपद में पीपा पुल क्षतिग्रस्त होने का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है. दो दिन पहले सदर विधायक रत्नाकर मिश्रा के उद्घाटन किया गया पीपा पुल 15 दिन में ही क्षतिग्रस्त हो गया था.अब मझवां विधायक शुचिस्मिता मौर्य के उद्घाटन किया गया पीपा पुल 14 दिन में ही तेज हवा में उड़ गया है. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बिमारी का बहाना बनाकर दूसरी अदालत में पेश हुआ वकील, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लगाया 20 हजार का जुर्माना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अदालत को गुमराह करने की कोशिश करने वाले वकील पर सख्त रुख अपनाते हुए 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। वकील ने एक मामले में बीमारी का पर्चा भेजकर अनुपस्थित रहने की सूचना दी, जबकि उसी दिन वह दूसरी अदालत में पेश हो रहा था। जस्टिस गौतम चौधरी ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि संबंधित वकील ने न केवल बीमारी का गलत बहाना बनाया बल्कि यह भी नहीं बताया कि आवेदकों को पहले ही एक अन्य मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम राहत मिल चुकी है।

अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा, 'वकील का आचरण यह दर्शाता है कि उन्होंने अदालत को धोखा देने का प्रयास किया, जो न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप के समान है। एक वकील होने के नाते यह उनका कर्तव्य है कि वह सही तथ्यों के साथ अदालत की सहायता करें ताकि अदालत का बहुमूल्य समय बचाया जा सके।' मामला अग्रिम जमानत याचिका से जुड़ा था। आवेदकों का कहना था कि उनके और शिकायतकर्ता के बीच कई विवाद चल रहे हैं और दुर्भावना के चलते एक नया मामला दर्ज कराया गया। हालांकि, सुनवाई के दौरान यह सामने आया कि इसी प्रकरण में आवेदकों को पहले ही एक अन्य मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण मिल चुका है।

सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता के वकील ने अदालत को जानकारी दी कि आवेदकों के वकील ने जहां एक ओर बीमारी का हवाला देकर इस मामले में अनुपस्थिति जताई, वहीं दूसरी ओर वह उसी दिन एक विशेष अपील में दूसरी अदालत में उपस्थित हुआ। इन तथ्यों को गंभीरता से लेते हुए हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज की। साथ ही वकील पर 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए एक महीने के भीतर जमा करने का निर्देश दिया। अदालत ने यह भी कहा कि यदि निर्धारित समय में जुर्माना नहीं जमा किया गया तो मामले को उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के समक्ष उचित कार्रवाई के लिए भेजा जा सकता है।

एक लाख रुपये रिश्वत लेते दिल्ली पुलिस का सब-इंस्पेक्टर गिरफ्तार, सीबीआई ने रंगे हाथ पकड़ा

● सब इंस्पेक्टर मनोज कुमार 1 लाख रिश्वत लेते गिरफ्तार।

गैर इरादतन हत्या मामले में जमानत के लिए मांगी रिश्वत।

दिल्ली पुलिस ने तत्काल प्रभाव से किया निलंबित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। बाहरी जिला के पश्चिम विहार वेस्ट थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर मनोज कुमार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआइ) ने एक लाख रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। गैर इरादतन हत्या के प्रयास के मामले में आरोपित को जमानत दिलाने के एवज में उससे पांच लाख रुपये रिश्वत मांगी गई थी। बातचीत में तीन लाख रुपये में डील तय हुआ। इसी डील के तहत सब इंस्पेक्टर को एक लाख रुपये की पहली किस्त लेते सीबीआइ ने शुक्रवार को पश्चिम विहार वेस्ट थाने में छापा मार सब इंस्पेक्टर को दबोच लिया। उसे कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। उधर पुलिस विभाग ने भी सब इंस्पेक्टर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया और उसके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। कुछ समय बाद उसे नौकरी से बर्खास्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

मामला 26 मार्च को हुए एक झगड़े से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि सब इंस्पेक्टर मामले में आरोपित को जमानत दिलाने के लिए पैसे की मांग की थी। जिसपर आरोपित ने इसकी शिकायत सीबीआइ से कर दी थी। सीबीआइ ने पहले कई दिनों तक दोनों के बीच हुई बातचीत को इंटरसेप्ट किया। साक्ष्य जुटाने के बाद उसे एक लाख रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया गया। ज्ञात रहे सीबीआई पिछले एक साल के दौरान करीब 20 से अधिक पुलिसकर्मियों को रिश्वत लेते गिरफ्तार कर चुकी है। इससे पहले 11 फरवरी को सीबीआइ ने सीआर पार्क थाने में तैनात एक सहायक उप-निरीक्षक को 10 लाख रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। प्रापर्टी विवाद के मामले में कार्रवाई न करने के बदले शिकायतकर्ता से 25 लाख रिश्वत की मांग की गई थी। पहली किश्त के तौर पर 10 लाख रुपये रिश्वत लेते एएसआइ को गिरफ्तार कर लिया गया।

अगस्त में सीबीआइ ने रोहिणी जिले में तैनात एक सब-इंस्पेक्टर को 50 हजार रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। सितंबर के अंत तक के आंकड़ों के अनुसार, उस वर्ष 15 से अधिक पुलिसकर्मी भ्रष्टाचार के मामलों में विभिन्न एजेंसियों (सीबीआई और विजिलेंस) द्वारा पकड़े गए थे। इनमें से अधिकांश मामले मामूली रकम की रिश्वत से लेकर लाखों रुपये तक के थे।

नवंबर में दो अलग-अलग मामले में सीबीआई ने दो पुलिसकर्मी को गिरफ्तार किया था। सब इंस्पेक्टर नितिन मीणा पर आरोप था कि उन्होंने एक आरोपी के पक्ष में चार्जशीट दाखिल करने और जमानत में मदद करने के बदले रिश्वत मांगी थी। बुद्ध पाल नाम के सहायक उप-निरीक्षक पर एफआइआर से एक आरोपित का नाम हटाने के बदले एक लाख रुपये की रिश्वत मांगते हुए पकड़ा गया था। दिसंबर में आर्थिक अपराध शाखा में तैनात सब-इंस्पेक्टर संजीव कुमार को सीबीआई ने एक पुराने मामले का निपटारा करने और पक्षपातपूर्ण जांच के लिए लाखों रुपये की मांग की थी। दो लाख रिश्वत लेते सब इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया गया था।

गांवों में पहली बार जनता देख रही है अपना पैसा, अपना विकास

[ईग्रामस्वराज: गांवों को इंतजार नहीं, अधिकार देने वाली व्यवस्था]

[जब गांवों तक पहुंचा डिजिटल शासन, तब बदला विकास का अर्थ]

जब किसी देश के गांव बदलते हैं, तभी उसका भविष्य बदलता है। आज भारत के गांवों में ऐसा ही ऐतिहासिक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। कभी पंचायत कार्यालयों में धूल खाती फाइलें, महीनों तक रुके भुगतान और विकास योजनाओं पर उठते सवाल आम थे। लेकिन अब वही ग्राम पंचायतें डिजिटल व्यवस्था के बल पर नई पहचान बना रही हैं। ईग्रामस्वराज पोर्टल के माध्यम से ?3 लाख करोड़ से अधिक का भुगतान होना केवल सरकारी उपलब्धि नहीं, बल्कि गांवों में बदलती व्यवस्था का मजबूत प्रमाण है। यह सफलता बताती है कि अब विकास का धन कागजों में नहीं अटकता, बल्कि सीधे जरूरत और काम तक पहुंचता है। भारत के गांव अब केवल विकास की प्रतीक्षा नहीं कर रहे, बल्कि स्वयं विकास की दिशा तय कर रहे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बदलाव ने पंचायतों के कामकाज का पूरा स्वरूप बदल दिया है। पंचायती राज मंत्रालय द्वारा विकसित ईग्रामस्वराज पोर्टल, ई-पंचायत अभियान का एकीकृत मंच है, जहां योजना, बजट, लेखा, निगरानी और भुगतान की पूरी प्रक्रिया एक साथ पूरी होती है। पहले ग्राम पंचायतों को अलग-अलग रजिस्टर, विभागीय मंजूरी और कागजी कार्यवाही पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे समय अधिक लगता था और गड़बड़ी की आशंका भी बनी रहती थी। अब पंचायतें गांव की जरूरत के अनुसार योजना बनाती हैं, उसे पोर्टल पर दर्ज करती हैं और काम पूरा होते ही भुगतान जारी कर देती हैं। सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली से जुड़ाव के कारण हर लेन-देन तुरंत दर्ज होता है और उसका पूरा विवरण सुरक्षित रहता है।

जहां कभी गांवों में विकास योजनाएं कागजों तक सीमित रहती थीं, वहीं आज वही गांव डिजिटल बदलाव की मिसाल बन रहे हैं। मार्च 2026 तक ईग्रामस्वराज पोर्टल से 3 लाख करोड़ से अधिक का भुगतान हो चुका है। केवल वित्तीय वर्ष 2025-26 में ही 53,342 करोड़ का हस्तांतरण हुआ। यह बताता है कि गांवों ने डिजिटल व्यवस्था को तेजी से अपनाया है। आज 2,59,798 पंचायती राज संस्थाएं और 1.60 करोड़ से अधिक विक्रेता इस मंच से जुड़े हैं। साथ ही 2,55,254 ग्राम पंचायतें अपनी विकास योजनाएं पोर्टल पर अपलोड कर चुकी हैं। इतनी बड़ी भागीदारी सिद्ध करती है कि ग्रामीण भारत अब तकनीक से दूर नहीं, बल्कि उसके साथ आगे बढ़ रहा है। गांवों की चौपाल से पंचायत भवन तक अब डिजिटल सोच पहुंच चुकी है।

जहां पहले पंचायतों के खर्च और योजनाएं लोगों से छिपी रहती थीं, वहीं अब हर जानकारी सबके सामने है। यही इस व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है–पारदर्शिता और जवाबदेही। पहले गांवों में यह जानना कठिन था कि पंचायत को कितनी राशि मिली और वह कहां खर्च हुई। योजनाओं की जानकारी अक्सर कुछ लोगों तक सीमित रहती थी। अब ईग्रामस्वराज पोर्टल पर हर पंचायत का पूरा हिसाब उपलब्ध है। कोई भी नागरिक देख सकता है कि किस योजना के लिए कितनी राशि मिली, कितना खर्च हुआ और कौन-सा काम किस स्थिति में है। इससे ग्राम सभा केवल औपचारिक बैठक नहीं, बल्कि निगरानी और निर्णय का मजबूत मंच बन गई है। जनता को जानकारी मिलते ही पंचायतों की जवाबदेही बढ़ती है और लोकतंत्र की जड़ें गहरी होती हैं।

सबसे बड़ा बदलाव गांव की अर्थव्यवस्था में दिखाई दे रहा है। पहले छोटे दुकानदारों, स्थानीय ठेकेदारों और सेवा देने वालों को भुगतान के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता था। कई बार उन्हें पंचायत कार्यालय के बार-बार चक्कर लगाने पड़ते थे। अब भुगतान सीधे उनके बैंक खाते में पहुंच रहा है। इससे बिचौलियों की भूमिका लगभग समाप्त हो गई है। समय पर धन मिलने से छोटे व्यवसायियों का भरोसा बढ़ा है और गांवों में आर्थिक गतिविधियां तेज हुई हैं। सड़क निर्माण, पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता अभियान, विद्यालय मरम्मत और सामुदायिक भवन जैसे कार्य अब पहले से अधिक तेजी से पूरे हो रहे हैं। इससे स्थानीय रोजगार बढ़ा है और गांवों की अर्थव्यवस्था को नया सहारा मिला है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह बदलाव केवल दफ्तरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे समाज को नई शक्ति दे रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पंचायत सहायता प्रणाली अब 23 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। इससे गांव के लोग अपनी भाषा में पंचायत की कार्यवाही और योजनाओं को आसानी से समझ पा रहे हैं। पहले कठिन सरकारी भाषा और प्रक्रियाओं के कारण महिलाएं, किसान और युवा पंचायत से दूर रहते थे। अब वही लोग सक्रिय रूप से जुड़ रहे हैं। महिलाएं घर बैठे योजनाओं की जानकारी देख रही हैं, किसान विकास कार्यों की स्थिति समझ रहे हैं और युवा पंचायत के निर्णयों पर नजर रख रहे हैं। इस प्रकार ईग्रामस्वराज केवल डिजिटल मंच नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और जनभागीदारी का नया आधार बन गया है।

यह सफलता जितनी बड़ी है, उसका सफर उतना ही कठिन रहा है। देश के अनेक दूरस्थ गांवों में इंटरनेट की कमी, अनियमित बिजली और डिजिटल जानकारी का अभाव बड़ी बाधाएं थे। शुरुआत में कई पंचायत प्रतिनिधि और कर्मचारी नई व्यवस्था को समझ नहीं पा रहे थे। लेकिन लगातार प्रशिक्षण और सरल प्रणाली ने यह मुश्किल दूर कर दी। पंचायत प्रतिनिधियों को तकनीकी प्रशिक्षण मिला, गांवों तक डिजिटल उपकरण पहुंचे और पोर्टल को इतना आसान बनाया गया कि कम पढ़े-लिखे लोग भी इसका उपयोग कर सकें। यही कारण है कि आज 2.5 लाख से अधिक पंचायतें इस मंच से जुड़ चुकी हैं। यह साबित करता है कि मजबूत संकल्प के सामने हर बाधा छोटी पड़ जाती है।

आज ईग्रामस्वराज पोर्टल गांवों में आए परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रतीक बन चुका है। यह केवल एक वेबसाइट नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव है। आने वाले समय में सरकारी ई-बाजार से जुड़ाव, तात्कालिक विवरण पट और उन्नत निगरानी जैसी सुविधाएं इसे और प्रभावी बनाएंगी। इससे पंचायतों के कामकाज में अधिक तेजी, पारदर्शिता और विश्वसनीयता आएगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि डिजिटल शासन अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं, बल्कि गांव-गांव तक पहुंच चुका है। ग्राम पंचायतें सशक्त होंगी, तभी देश सशक्त होगा। और जब हर नागरिक अपनी पंचायत के कामकाज पर नजर रखेगा, तभी सच्चे अर्थों में स्वराज स्थापित होगा–ऐसा स्वराज जो पारदर्शी, जवाबदेह और जनता के हाथों में हो।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

हाय नोबल सर, आप ट्रंप के ना हुए

बेचारा नोबेल भी क्या करे उसे भी अपनी इज़्ज़त बचानी थी।डोनाल्ड ट्रंप साहब जब दूसरी बार सत्ता के सिंहासन पर विराजे तो उनके मन में एक ही दिव्य प्रकाश की किरण प्रस्फुटित हुई, कुछ ऐसा किया जाय कि इतिहास और दुनिया भी दंग रह जाए और नोबेल पुरस्कार खुद चलकर व्हाइट हाउस के दरवाज़े पर नतमस्तक हो जाए। उन्हें लगा कि दुनिया में शांति स्थापित करना उतना ही आसान है जितना ट्विटर अब एक्स पर एक पोस्ट डालना।उन्होंने ऐलान किया मैंने कइ देशों के बीच शांति स्थापित करा दी है। इंटरनेशनल मीडिया ने पूछा कौन कौन से देश?उन्होंने कहा नाम मत पूछो, शांति गोपनीय होती है नाम उजागर करने से शांति भंग होने की आशंका हो जाती है।अब ट्रंप साहब शांति के होलसेल ठेकेदार बन गए कि जहाँ शांति दिखी, वहाँ उन्हें खतरा महसूस हुआ। बोले ये कैसी शांति है जिसमें मेरा रोल और योगदान नहीं? बस फिर क्या था, उन्होंने शांति को बचाने के लिए युद्ध की चाबी घुमा दी अस्त्र-शस्त्र का बटन ऑन कर दिया। ईरान की तरफ़ एक तिरछी नज़र डाली, वेनेजुएला की तरफ़ दूसरी, जैसे कोई डॉक्टर मरीज को बचाने के लिए पहले उसे बीमार घोषित कर देता है, मरीज गंभीर बीमार है इसे इलाज की जरूरत है और इसका इलाज मैं ही कर सकता हूं। उन्हें पूरा यकीन था कि नोबेल कमेटी सोच रही होगी इतना महान आदमी हमने आज तक कैसे नहीं देखा, जो युद्ध करके शांति लाता और पूरी दुनिया में इसका डिंडोरा पिटता है,लेकिन नोबेल कमेटी वाले भी कोई साधु-संत तो हैं नहीं उन्हें पता है कि यह शांति नहीं, 'शांति का रियलिटी शो या डुप्लीकेट डेमो चल रहा है, जिसमें हर एपिसोड के बाद टीआरपी गिर जाती है। उधर बराक ओबामा साहब का नाम इतिहास में पहले से दर्ज है। ट्रंप जी को यह बात कुछ वैसी ही चुभती थी जैसे पड़ोसी के घर में खरीदी गई नई कार, उन्होंने सोचा— 'अगर ओबामा जी को नोबेल मिल सकता है, तो मुझे क्यों नहीं? मैं तो उनसे ज़्यादा एक्टिव हूँ कम से कम ट्वीट तो ज़्यादा करता हूँ और सोशल मीडिया में उनसे कहीं ज्यादा सुपर एक्टिव हूं।नोबेल पुरस्कार भी कोई चुनावी वादा तो था नहीं कि भाषण देकर ले हथिया लिया जाए। वह चुपचाप बैठा रहा, जैसे किसी जिद्दी बच्चे की जिद सुनकर बाप अनदेखी कर चुचाप अख़बार पढ़ता रहे। आख़िरकार ट्रंप जी समझ गए कि नोबेल पुरस्कार भी एक अजीब नायाब मृग मरीचिका है जिसे पाने के लिए जितना दौड़ो, वो उतना ही दूर भागती है,इधर दुनिया ने यह नया सिद्धांत सीख लिया,जहाँ युद्ध ज़्यादा हो, वहाँ शांति की बात सबसे ज़्यादा होती है।'

ट्रंप साहब को नोबेल तो नही मिला, पर एक नई उपलब्धि सीख की तरह जरूर मिल गई, इतिहास में यह दर्ज हो गया कि शांति के नाम पर सबसे ज़्यादा शोर किसने मचाया,किसने सबसे ज्यादा ढिंढोरा किसने पीटा।

संजीव ठाकुर

पाकिस्तान में ईंधन संकट की आगब वैश्विक युद्ध, आर्थिक दबाव और आम जनता की बढ़ती मुश्किलें

दुनिया के बदलते हालात का असर अब सीधे आम लोगों की जिंदगी पर दिखाई देने लगा है। खासकर ऊर्जा यानी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आई तेज बढ़ोतरी ने कई देशों की अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है। पड़ोसी देश पाकिस्तान इस समय ऐसे ही एक गंभीर संकट से गुजर रहा है, जहां ईंधन की कीमतों में अभूतपूर्व उछाल ने महंगाई को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। पेट्रोल और डीजल के दामों में अचानक आई भारी वृद्धि ने न केवल आम आदमी की जेब पर असर डाला है, बल्कि पूरे आर्थिक ढांचे को हिला दिया है।

हाल ही में पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 458 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 520 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई है। यह वृद्धि केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई जटिल कारण छिपे हैं। सबसे बड़ा कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ता तनाव है, विशेषकर ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष का प्रभाव। इस टकराव ने वैश्विक तेल आपूर्ति को प्रभावित किया है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है।

इस संकट का केंद्र बना हुआ है होर्मुज जलडमरूमध्य, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है। यह संकरा समुद्री रास्ता फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और विश्व की लगभग 20 प्रतिशत तेल आपूर्ति इसी मार्ग से होती है। जब इस क्षेत्र में तनाव बढ़ता है या रास्ता बाधित होता है, तो इसका सीधा असर पूरी दुनिया के तेल बाजार पर पड़ता है। वर्तमान स्थिति में इसी मार्ग के प्रभावित होने के कारण तेल की आपूर्ति में रुकावट आई है और कीमतें तेजी से बढ़ी हैं।

पाकिस्तान जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर हैं, ऐसे हालात में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। यहां एक और गंभीर समस्या है—पाकिस्तानी रुपये की लगातार गिरती कीमत। जब मुद्रा कमजोर होती है, तो आयातित वस्तुएं और महंगी हो जाती हैं। चूंकि तेल का कारोबार डॉलर में होता है, इसलिए रुपये की कमजोरी का सीधा असर ईंधन की कीमतों पर पड़ता है।

इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की शर्तें भी पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ा रही हैं। आर्थिक संकट से उबरने के लिए पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय सहायता की जरूरत है, लेकिन इसके बदले में उसे सब्सिडी कम करनी पड़ रही है और करों में वृद्धि करनी पड़ रही है। यही कारण है कि सरकार ने पेट्रोल पर भारी कर बढ़ा दिए हैं, जबकि डीजल पर कर घटाकर कीमतों को कुछ हद तक संतुलित करने की कोशिश की गई है।

ईंधन की कीमतों में वृद्धि का सबसे बड़ा असर आम जनता पर पड़ता है। जब डीजल महंगा होता है, तो परिवहन लागत बढ़ जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि बाजार में आने वाली हर वस्तु—चाहे वह सब्जी हो, अनाज हो या दैनिक उपयोग की चीजें—महंगी हो जाती हैं। इस तरह महंगाई का एक चक्र शुरू हो जाता है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होता है।

खेती पर भी इसका गहरा असर पड़ता है। पाकिस्तान जैसे देश में जहां बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है, वहां डीजल की बढ़ती कीमतें किसानों के लिए बड़ी चुनौती बन जाती हैं। ट्रैक्टर चलाने, सिंचाई करने और फसल तैयार करने की लागत बढ़ जाती है, जिससे किसानों की आय पर सीधा असर पड़ता है। अंततः इसका असर खाद्य पदार्थों की कीमतों पर भी पड़ता है। सरकार का तर्क है कि यह कदम जरूरी था ताकि खपत को नियंत्रित किया जा सके और आर्थिक संतुलन बनाए रखा जा सके। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या केवल कीमतें बढ़ाकर समस्या का समाधान किया जा सकता है? जब लोगों की आय स्थिर हो और खर्च बढ़ जाए, तो सामाजिक असंतोष भी बढ़ने लगता है।

यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो पाकिस्तान में महंगाई का स्तर और अधिक बढ़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर वैश्विक तनाव कम नहीं हुआ, तो ईंधन की कीमतें 600 रुपये प्रति लीटर के पार भी जा सकती हैं। यह स्थिति देश की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकती है।

दूसरी ओर, भारत जैसे देश में स्थिति अपेक्षाकृत नियंत्रित है। यहां ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, जिससे आम जनता को कुछ राहत मिली है। लेकिन यह भी सच है कि वैश्विक बाजार से पूरी तरह कोई देश अछूता नहीं रह सकता। यदि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका असर भारत पर भी पड़ सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट होता है कि आज की दुनिया में कोई भी देश पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं है। एक क्षेत्र में होने वाली घटना का असर हजारों किलोमीटर दूर तक महसूस किया जाता है। ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में यह प्रभाव और भी ज्यादा गहरा होता है।

अंततः यह संकट केवल पाकिस्तान का नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक चुनौती का संकेत है। इससे यह सीख मिलती है कि देशों को अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए वैकल्पिक स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ना होगा और आर्थिक नीतियों को अधिक संतुलित बनाना होगा। तभी भविष्य में ऐसे संकटों से बचा जा सकेगा और आम जनता को राहत मिल सकेगी।

कांतिलाल मांडोत

असम में सियासी रण और पहचान की राजनीति घुसपैठ यूसीसी और विकास के बीच चुनावी जंग तेज

असम की राजनीति एक बार फिर राष्ट्रीय मुद्दों और स्थानीय समीकरणों के संगम पर खड़ी दिखाई दे रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हालिया बयान—जिसमें उन्होंने घुसपैठियों पर सख्ती और चुनाव के बाद समान नागरिक संहिता लागू करने की बात कही और चुनावी बहस को और तीखा बना दिया है। इस बयान के साथ ही यह साफ हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी इस चुनाव को केवल विकास या स्थानीय मुद्दों तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक अस्मिता के बड़े नैरेटिव से जोड़कर देख रही है।

असम की राजनीति हमेशा से बहुस्तरीय रही है। यहां जातीय पहचान, भाषाई विविधता, धार्मिक संतुलन और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे मुद्दे गहराई से जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि चुनावी समीकरण भी सरल नहीं होते। राज्य में मुस्लिम आबादी लगभग 34 प्रतिशत के आसपास मानी जाती है, जो कई जिलों में निर्णायक भूमिका निभाती है। खासकर निचले असम और बराक वैली के क्षेत्रों में यह वोट बैंक चुनाव के नतीजों को प्रभावित करता है। दूसरी ओर, ऊपरी असम में असमिया हिंदू, आदिवासी और चाय बागान समुदायों का प्रभाव अधिक है।

भाजपा का चुनावी गणित इन विविध समूहों के बीच संतुलन साधने पर आधारित है। पार्टी की रणनीति साफ तौर पर तीन स्तंभों पर टिकती नजर आती है—घुसपैठ के खिलाफ सख्त रुख, विकास की राजनीति, और आदिवासी व स्थानीय समुदायों को सशक्त करने के वादे। नरेन्द्र मोदीऔर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की जोड़ी को भाजपा एक मजबूत नेतृत्व के रूप में पेश कर रही है। यह नेतृत्व कानून व्यवस्था, बुनियादी ढांचे और कल्याणकारी योजनाओं के जरिए वोटरों को आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है।

घुसपैठ का मुद्दा असम में नया नहीं है, लेकिन इसे हर चुनाव में नए सिरे से उभारा जाता है। भाजपा इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थानीय पहचान से जोड़कर पेश करती है। पार्टी का तर्क है कि अवैध प्रवासन ने राज्य की जनसंख्या संरचना को प्रभावित किया है और इससे संसाधनों पर दबाव बढ़ा है। इसी के साथ समान नागरिक संहिता का मुद्दा जोड़कर भाजपा एक व्यापक वैचारिक एजेंडा सामने रख रही है, जो उसके समर्थक वर्ग को एकजुट करता है। हालांकि, यह भी ध्यान देने वाली बात है कि भाजपा ने आदिवासी समुदायों को यूसीसी के दायरे से बाहर रखने की बात कहकर एक संतुलन बनाने की कोशिश की है। असम में बोडो, मिसिंग, कार्बी, राभा जैसी कई जनजातियां हैं, जिनकी अपनी अलग सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान है। इन समुदायों को आश्वस्त करना भाजपा के लिए जरूरी है, क्योंकि ये कई सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाते हैं। एक-एक गाय या भैंस देने जैसे वादे प्रतीकात्मक रूप से आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका से जुड़े हैं, जो सीधे तौर पर आदिवासी और ग्रामीण मतदाताओं को प्रभावित कर सकते हैं। जातिवाद का फैक्टर भी असम की राजनीति में कम महत्वपूर्ण नहीं है। हालांकि यहां उत्तर भारत की तरह परंपरागत जाति समीकरण उतने स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन समुदाय आधारित राजनीति बहुत मजबूत है। चाय बागान मजदूर समुदाय, जिसे अक्सर 'टी ट्राइब्स' कहा जाता है, लंबे समय से राजनीतिक दलों के लिए अहम वोट बैंक रहा है। भाजपा ने पिछले कुछ चुनावों में इस समुदाय में अपनी पकड़ मजबूत की है, जबकि कांग्रेस पारंपरिक रूप से यहां प्रभाव रखती रही है। इसी तरह बोडो और अन्य जनजातीय समूहों के बीच क्षेत्रीय दलों का भी प्रभाव है, जिससे चुनावी मुकाबला त्रिकोणीय हो जाता है।

विकास का मुद्दा इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। भाजपा यह दावा कर रही है कि पिछले वर्षों में असम में सड़क, पुल, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। निवेश और उद्योग को बढ़ावा देने की कोशिशें भी दिखाई देती हैं। यदि मतदाता इन दावों को स्वीकार करते हैं, तो भाजपा को इसका सीधा लाभ मिल सकता है। खासकर युवा मतदाता, जो रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की अपेक्षा रखते हैं, विकास के एजेंडे से प्रभावित हो सकते हैं।

दूसरी ओर, कांग्रेस भी अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश में है। राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक असंतोष जैसे मुद्दों को उठाकर भाजपा को घेरने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस का तर्क है कि भाजपा की नीतियां समाज में विभाजन पैदा करती हैं और वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाती हैं। अगर कोई मतदाता कांग्रेस को वोट देने का विचार करता है, तो उसके पीछे मुख्य कारण सामाजिक सद्भाव, धर्मनिरपेक्षता और आर्थिक असमानता के मुद्दे हो सकते हैं।

कांग्रेस का एक और मजबूत पक्ष उसका पारंपरिक समर्थन आधार है, जिसमें मुस्लिम मतदाता, कुछ आदिवासी समूह और ग्रामीण वर्ग शामिल हैं। यदि यह समर्थन एकजुट रहता है और क्षेत्रीय दलों के साथ तालमेल बनता है, तो कांग्रेस भाजपा को कड़ी चुनौती दे सकती है। हालांकि, पिछले चुनावों में कांग्रेस को संगठनात्मक कमजोरी और नेतृत्व के अभाव का सामना करना पड़ा है, जिसे दूर करना उसके लिए जरूरी है।

असम का चुनाव केवल दो दलों के बीच मुकाबला नहीं है, बल्कि यह कई स्तरों पर लड़ी जाने वाली लड़ाई है। यहां स्थानीय बनाम बाहरी, विकास बनाम पहचान, और परंपरा बनाम आधुनिकता जैसे कई विमर्श एक साथ चलते हैं। यही वजह है कि हर चुनाव में परिणाम चौंकाने वाले हो सकते हैं। अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि असम का मतदाता बेहद जागरूक और व्यावहारिक है। वह केवल भावनात्मक मुद्दों पर नहीं, बल्कि अपने हितों और भविष्य को ध्यान में रखकर निर्णय लेता है। भाजपा के लिए चुनौती है कि वह अपने वादों को विश्वसनीय बनाए और सभी वर्गों का विश्वास जीत सके। वहीं कांग्रेस के लिए जरूरी है कि वह एक मजबूत वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करे। इस चुनाव में यह देखना दिलचस्प होगा कि मतदाता सुरक्षा और पहचान के मुद्दों को प्राथमिकता देता है या विकास और सामाजिक संतुलन को। असम की जनता का फैसला न केवल राज्य की राजनीति की दिशा तय करेगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी इसके दूरगामी प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

कांतिलाल मांडोत

युद्ध से किनके हित पूरे हो रहे?

युद्ध मानव इतिहास का सबसे त्रासद और विडंबनापूर्ण अध्याय रहा है। यह केवल सीमाओं के विस्तार या सुरक्षा की लड़ाई नहीं होता, बल्कि इसके भीतर अनेक अदृश्य हितों का जाल छिपा होता है। जब युद्ध होता है तो पहली दृष्टि में हमें केवल बर्बादी, मृत्यु और विस्थापन दिखाई देता है, परंतु इसके पीछे एक जटिल आर्थिक, राजनीतिक और संस्थागत संरचना सक्रिय होती है। यह समझना आवश्यक है कि युद्ध केवल भावनाओं, राष्ट्रवाद या आकस्मिक परिस्थितियों का परिणाम नहीं होता, बल्कि कई बार यह उन शक्तियों का उपकरण बन जाता है जिनके हित शांति में पूरे नहीं हो सकते। युद्ध से सबसे प्रमुख लाभ जिस समूह को होता है, वह है तथाकथित 'सैन्य-औद्योगिक परिसर'। यह एक ऐसा नेटवर्क है जिसमें सरकार, सेना और हथियार बनाने वाली कंपनियाँ आपस में जुड़ी होती हैं और एक-दूसरे के हितों को पोषित करती हैं। इस व्यवस्था में एक पक्ष को सुरक्षा के नाम पर हथियार चाहिए और दूसरे पक्ष को उन्हें बेचकर लाभ कमाना होता है। इस प्रकार दोनों के बीच एक ऐसा संबंध बन जाता है जिसमें सैन्य खर्च बढ़ाना एक साझा लक्ष्य बन जाता है। युद्ध की स्थिति इस पूरे तंत्र के लिए अवसर लेकर आती है, क्योंकि इससे हथियारों की मांग बढ़ती है, उत्पादन तेज होता है और मुनाफा कई गुना हो जाता है। इसके साथ ही राजनीतिक नेतृत्व भी युद्ध से अपने हित साधता है। जब किसी देश में आर्थिक संकट, बेरोजगारी या सामाजिक असंतोष बढ़ता है, तब शासक वर्ग के लिए युद्ध एक ऐसा माध्यम बन सकता है जिसके जरिए जनता का ध्यान मूल समस्याओं से हटाकर बाहरी खतरे की ओर मोड़ दिया जाए। राष्ट्रवाद की भावना को उभारकर सत्ता अपने लिए समर्थन जुटाती है और विरोध को कमजोर कर देती है। युद्ध के समय सरकार की आलोचना को देशद्रोह के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे लोकतांत्रिक संवाद सीमित हो जाता है और सत्ता अधिक केंद्रीकृत हो जाती है। इस प्रकार युद्ध राजनीतिक स्थिरता का एक कृत्रिम साधन बन जाता है।

युद्ध से आर्थिक हितों की पूर्ति भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। आधुनिक विश्व में संसाधनों का नियंत्रण शक्ति का प्रमुख आधार है। तेल, गैस, खनिज और जलमार्गों पर कब्जा पाने की होड़ ने कई संघर्षों को जन्म दिया है। जब कोई संसाधन-संपन्न क्षेत्र अस्थिर होता है, तो बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए वहाँ प्रवेश करना और संसाधनों का दोहन करना आसान हो जाता है। युद्ध के बाद पुनर्निर्माण की प्रक्रिया भी एक बड़े आर्थिक अवसर के रूप में उभरती है। जिन कंपनियों ने युद्ध के दौरान हथियार बेचे होते हैं, वही कंपनियाँ बाद में निर्माण और पुनर्निर्माण के ठेके भी प्राप्त करती हैं। इस प्रकार विनाश और निर्माण दोनों ही चरणों में लाभ का प्रवाह बना रहता है।

युद्ध से वित्तीय संस्थानों और वैश्विक पूंजी के हित भी जुड़े होते हैं। जब कोई देश युद्ध से कमजोर होता है, तो उसे पुनर्निर्माण के लिए ऋण लेना पड़ता है। यह ऋण उसे लंबे समय तक आर्थिक निर्भरता में बांध देता है। इस प्रक्रिया में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ और निवेशक लाभ कमाते हैं, जबकि युद्धग्रस्त देश कर्ज के बोझ तले दब जाता है। इस प्रकार युद्ध केवल तत्काल विनाश ही नहीं करता, बल्कि भविष्य की आर्थिक संरचना को भी प्रभावित करता है। मीडिया और सूचना तंत्र के कुछ हिस्से भी युद्ध से अप्रत्यक्ष लाभ प्राप्त करते हैं। युद्ध की खबरें, लाइव कवरेज और राष्ट्रवादी विमर्श दर्शकों का ध्यान आकर्षित करते हैं और इससे उनकी पहुँच और आय में वृद्धि होती है। कई बार युद्ध को एक नाटकीय घटना के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे उसकी वास्तविक मानवीय त्रासदी पीछे छूट जाती है। इसके अतिरिक्त, प्रचार और दुष्प्रचार के माध्यम से जनमत को प्रभावित किया जाता है, ताकि युद्ध को आवश्यक और उचित ठहराया जा सके। इस प्रकार सूचना का प्रवाह भी एक प्रकार से युद्ध की राजनीति का हिस्सा बन जाता है। युद्ध से कट्टरपंथी और उग्रवादी समूहों को भी लाभ होता है। जब समाज में अस्थिरता और भय का वातावरण बनता है, तब ऐसे समूहों के लिए अपने विचारों का प्रसार करना आसान हो जाता है। वे असंतोष और असुरक्षा की भावना का लाभ उठाकर नए लोगों को अपने साथ जोड़ते हैं। इस प्रकार युद्ध केवल राज्यों के बीच संघर्ष नहीं रहता, बल्कि यह समाज के भीतर भी विभाजन और हिंसा को बढ़ावा देता है। हालाँकि यह भी सत्य है कि युद्ध से कुछ सीमित तकनीकी और औद्योगिक विकास भी होता है। सैन्य अनुसंधान के माध्यम से नई तकनीकों का विकास होता है, जो बाद में नागरिक जीवन में उपयोगी साबित हो सकती हैं। परंतु यह लाभ अत्यंत सीमित और अप्रत्यक्ष होता है, जबकि युद्ध की कीमत अत्यधिक व्यापक और विनाशकारी होती है। कई अध्ययन यह भी संकेत देते हैं कि अत्यधिक सैन्य खर्च दीर्घकालिक आर्थिक विकास को बाधित कर सकता है, क्योंकि इससे संसाधन नागरिक क्षेत्रों से हटकर सैन्य क्षेत्र में केंद्रित हो जाते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण और दुखद तथ्य यह है कि जिन लोगों के हित युद्ध से पूरे होते हैं, वे स्वयं युद्ध के मैदान में नहीं उतरते। युद्ध के निर्णय वातानुकूलित कमरों में लिए जाते हैं, लेकिन उनकी कीमत आम नागरिक और सैनिक चुकाते हैं। गरीब और मध्यम वर्ग के युवा, जो बेहतर जीवन की तलाश में सेना में शामिल होते हैं, वे युद्ध के सबसे बड़े शिकार बनते हैं। उनके परिवारों को जो क्षति होती है, उसकी भरपाई किसी भी आर्थिक लाभ से नहीं की जा सकती। इस प्रकार युद्ध एक ऐसा विरोधाभास प्रस्तुत करता है जिसमें कुछ लोगों के लिए यह अवसर और लाभ का स्रोत बन जाता है, जबकि अधिकांश मानवता के लिए यह पीड़ा, विनाश और असुरक्षा का कारण होता है। यह समझना आवश्यक है कि युद्ध केवल सीमाओं की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह हितों का संघर्ष है जिसमें शक्ति, पूंजी और राजनीति का गहरा संबंध होता है। जब तक इस संरचना को समझा नहीं जाएगा और शांति को अधिक लाभकारी विकल्प नहीं बनाया जाएगा, तब तक युद्ध का यह चक्र चलता रहेगा। मानवता के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह इस कठोर सत्य को स्वीकार करे और ऐसी व्यवस्था विकसित करे जिसमें लाभ का स्रोत विनाश नहीं, बल्कि सहयोग और विकास हो।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

गरीबी सबसे बड़ा अभिशाप, भक्ति ही जीवन का सहारा: पं. बृजनंदन शास्त्री

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के छम्नीखेड़ा गांव में चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन भक्ति और भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा व्यास पं. बृजनंदन शास्त्री ने श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का मार्मिक प्रसंग सुनाया। कथा सुनकर श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। कथाव्यास ने कहा कि मनुष्य के जीवन में निर्धनता सबसे बड़ा अभिशाप है। गरीबी से बड़ा कोई दुख नहीं है। यह इंसान को भीतर से तोड़ देती है। उन्होंने कहा कि सच्ची मित्रता वही है, जो श्रीकृष्ण और सुदामा जैसी हो। अंतिम दिन कंस वध, अक्रूर आगमन और परीक्षित मोक्ष का भावपूर्ण वर्णन किया गया। उन्होंने कहा कि जिस परिवार में एक सच्चा भक्त जन्म लेता है, उसका पूरा कुल धन्य हो जाता है। जहां सत्संग होता है, वह स्थान अपने आप पवित्र बन जाता है। सप्ताह भर चली कथा का समापन भक्ति भाव के साथ हुआ। गांव के लोगों ने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाया। हर वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। व्यवस्था से लेकर सेवा तक हर जगह गांव की एकजुटता दिखी। आयोजक मंडल के संरक्षक केशव तिवारी ने बताया कि रविवार दोपहर 12 बजे हवन-पूजन और पूर्णाहुति होगी। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रोफेसर आरके सिंह, अशोक तिवारी, अनूप तिवारी, सेवानिवृत्त फौजी संजय तिवारी, राजेंद्र दीक्षित, अतुल सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

बच्चों ने एलसीडी पर देखा मुख्यमंत्री के स्कूल चलो अभियान के शुभारंभ का सजीव प्रसारण

बिसवां (सीतापुर)। सकरन विकास खंड के उच्च प्राथमिक विद्यालय कलिमपुर कंपोजिट में शनिवार को मुख्यमंत्री द्वारा स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम के शुभारंभ का सजीव प्रसारण बच्चों को दिखाया गया। मुख्यमंत्री द्वारा सभी शिक्षकों से आग्रह किया गया कि एक अभियान 'हर घर दस्तक' चलाकर 6 वर्ष पूर्ण कर चुके बच्चों का शत् प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करायें। मुख्यमंत्री द्वारा विद्यालयों हेतु चलाई जाने वाली सरकार की विभिन्न योजनाओं का भी उल्लेख किया। आपरेशन कायाकल्प, ऑपरेशन निपुण के माध्यम से सभी मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराया गया है। आज शिक्षकों के प्रयास से विद्यालय बदल रहे हैं। समाज में विद्यालय की छवि सुधरी है। मुख्यमंत्री द्वारा सभी शिक्षकों से अनुरोध किया गया कि ड्रॉप आउट को शून्य तक ले जायें। मुख्यमंत्री ने सभी से अनुरोध किया कि वह ईमानदारी से अपने दायित्व का निर्वहन करें एक अभियान चलायें जिससे कोई भी बच्चा नामांकन से छूटने न पाये। सजीव प्रसारण के दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। इंचार्ज प्रधानाध्यापक कफील अहमद खान, प्रीती देवी, अशोक गौतम, सोनू सरोज, रजनेश कुमार भार्गव, बृजेश कुमार, व भारत प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

सीएम योगी का सख्त निर्देश- बारिश से हुए नुकसान का 24 घंटे में मुआवजा, किसानों से मिलें डीएम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को हुई वर्षा से किसानों को होने वाली परेशानी के बारे में जिलाधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह किसानों के पास जाएं और उनकी परेशानी जानें। साथ ही 24 घंटे के भीतर पीड़ितों को मुआवजा दिलाना सुनिश्चित करें। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने राजस्व, कृषि विभाग व बीमा कंपनी के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि फसल नुकसान का तत्काल संयुक्त सर्वेक्षण कराकर शासन को अवगत कराएं, जिससे किसानों को तत्काल मुआवजा दिलाया जा सके। सरकार हर प्रतिकूल परिस्थिति में प्रदेशवासियों के साथ खड़ी है। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों के हित में संवेदनशीलता के साथ कार्य करें और सुनिश्चित करें कि अन्नदाता को कोई परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह तहसील स्तर पर फील्ड में रहें। वस्तुस्थिति का जायजा लें और प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का वास्तविक आकलन कराएं। उन्होंने प्रमुख सचिव (कृषि) व राहत आयुक्त से कहा कि फील्ड में कार्यरत अधिकारियों से सीधा संपर्क करें। सभी सूचनाएं समय पर एकत्र कर शासन को उपलब्ध कराई जाए, जिससे राहत कार्य समय से शुरू किए जा सकें। उन्होंने किसानों से अपील की है कि किसान अपनी नुकसान हुई फसल की जानकारी प्रशासन को उपलब्ध कराएं।

जनसूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अक्षय सिंह का नाम आधार कार्ड में गलत हो गया है गलती से सूरज सिंह लिख गया है परिवार रजिस्टर और जन्म प्रमाण पत्र में अक्षय सिंह का सही नाम अक्षय सिंह पुत्र राजमणि सिंह ग्राम - कडसरी गौतम , पोस्ट - निरंजनपुर , थाना - लालगंज जनपद- बस्ती ही लिखा हुआ है।

अतः अक्षय सिंह को अक्षय सिंह के नाम से ही जाना और पहचाना जाये ।

अक्षय सिंह पुत्र राजमणि सिंह
ग्राम - कडसरी गौतम
पोस्ट - निरंजनपुर
थाना - लालगंज
जनपद- बस्ती

संपूर्ण समाधान दिवस में 77 शिकायतें दर्ज, कई का मौके पर निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। तहसील सभागार में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी हर्षिता माथुर और पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने की। सुबह से ही फरियादियों की लंबी कतारें लगी रहीं और अधिकारियों ने एक-एक कर शिकायतें सुनीं। इस दौरान कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजते हुए जल्द समाधान के निर्देश दिए गए। सरेनी क्षेत्र के चकमानिया ग्राम सभा के प्रधान ने पेयजल संकट का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि स्वजल धारा योजना के तहत बनी पानी की टंकी से चिन्ना गांव तक पानी नहीं पहुंच रहा है, जिससे सैकड़ों परिवार परेशान हैं।

वहीं, कनपुरिया मजरे दूधवन गांव के अजय बहादुर सिंह ने केटल सेट न मिलने की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पंचायत मित्र पर फर्जी हस्ताक्षर का आरोप लगाते हुए बताया कि केटल सेट न मिलने के कारण ठंड से उनकी गाय की मौत हो गई। खीरों थाना क्षेत्र के दुकनहा निवासी सेवानिवृत्त फौजी ए.के. सिंह ने चकमार्ग पर अतिक्रमण की शिकायत की। उनका कहना था कि खेत तक जाने वाला रास्ता काश्तकारों द्वारा जोत लिया गया है और कई बार शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

समाधान दिवस में कुल 77 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से कई का मौके पर निस्तारण किया गया। इस अवसर पर विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम में एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी, सीओ अमित कुमार सिंह, तहसीलदार शिवम राठौर, एक्सईएन दयाशंकर यादव, एसडीओ शिवम वर्मा, बीडीओ गगनदीप सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दो साल लगातार मुख्यमंत्री पुरस्कार, बेलहनी बना विकास का मॉडल ग्राम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। ब्लॉक क्षेत्र की मुस्तफाबाद बेलहनी ग्राम पंचायत ने विकास का ऐसा मॉडल पेश किया है, जिसकी गूंज अब पूरे प्रदेश में सुनाई दे रही है। पंचायत को उत्कृष्ट कार्यों के लिए लगातार दूसरे वर्ष मुख्यमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार स्वरूप मिली 20 लाख रुपये की धनराशि भी शासन से प्राप्त हो चुकी है।

ग्राम प्रधान अखिलेश यादव के नेतृत्व में पंचायत ने योजनाबद्ध और पारदर्शी तरीके से विकास कार्य कराए। इसी का परिणाम है कि बेलहनी अब अन्य ग्राम पंचायतों के लिए प्रेरणा बन रही है। पंचायत को मुख्यमंत्री पुरस्कार के साथ-साथ मॉडल युवा ग्राम सभा पुरस्कार भी मिल चुका है।

गांव में बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। पंचायत भवन में स्मार्ट सचिवालय की व्यवस्था की गई है, जबकि प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के लिए स्मार्ट क्लास शुरू की गई हैं। अंत्येष्टि स्थल का निर्माण कराया गया है और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पार्क लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

इसके अलावा आरआरसी सेंटर और सीएससी भवन के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। खेल मैदान युवाओं के लिए नई ऊर्जा और अवसर प्रदान कर रहा है। ग्राम प्रधान अखिलेश यादव का कहना है कि यह उपलब्धि पूरे गांव की है और सभी ग्रामवासियों के सहयोग से ही संभव हो सकी है। उन्होंने कहा कि विकास कार्य निःस्वार्थ भाव से किए गए हैं और आगे भी गांव को आदर्श ग्राम पंचायत बनाने का प्रयास जारी रहेगा। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार मिल रही सफलता ने बेलहनी को नई पहचान दी है। अब यह पंचायत पूरे क्षेत्र में विकास के मॉडल के रूप में देखी जा रही है।

यूपी में 10 लाख की 3940 डिब्बी नकली सिगरेट बरामद, तस्करी करने वाले दो गिरफ्तार

लखनऊ। पारा पुलिस ने अपराध शाखा के साथ मिलकर शनिवार को अंतर्राज्यीय स्तर पर नकली सिगरेट की तस्करी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया। दोनों तस्करों के पास से पुलिस ने करीब दस लाख रुपये कीमत की 3940 डिब्बी प्रतिबंधित/नकली सिगरेट और घटना में प्रयुक्त एक चारपहिया वाहन बरामद किया है। इंस्पेक्टर पारा सुरेश सिंह ने बताया कि जीरो प्वाइंट के पास दबिश देकर मध्य प्रदेश के मुरैना निवासी शादाब अली और शोएब अली को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपित लंबे समय से अंतर्राज्यीय गिरोह के सदस्य के रूप में सक्रिय थे। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे दिल्ली के सदर बाजार सहित अन्य स्थानों से नकली सिगरेट लाकर उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों में सप्लाई करते थे। ग्राहक फोन के माध्यम से आर्डर देते थे और तय स्थान पर माल की डिलीवरी की जाती थी। बरामद सिगरेट को लखनऊ व आसपास के क्षेत्रों में खपाने की तैयारी थी। पुलिस के मुताबिक आरोपितों के खिलाफ पहले से भी संबंधित धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। दोनों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। पुलिस ने बरामद वाहन कार (एमपी07 सीएच 5106) को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही गिरोह के अन्य तस्करों की तलाश जारी है।

मलिहाबाद रेलवे क्रॉसिंग पर 4 दिन का ब्रेक, डायवर्जन से चलेगा ट्रैफिक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र में आम लोगों की आवाजाही को प्रभावित करने वाली बड़ी खबर सामने आई है। रेलवे ट्रैक के आवश्यक मरम्मत कार्य के चलते मलिहाबाद रेलवे क्रॉसिंग को 4 अप्रैल से 7 अप्रैल तक पूरी तरह बंद रखने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा रूट डायवर्जन लागू कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, रेलवे विभाग द्वारा ट्रैक की मरम्मत और सुरक्षा से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। मरम्मत कार्य के दौरान क्रॉसिंग से किसी भी प्रकार के वाहन का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

छोटे वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग- छोटे वाहन चालकों को मुजासा रोड के रास्ते लखनऊ-हरदोई रोड पर जाने की अनुमति दी गई है। इस मार्ग का उपयोग कर लोग अपने गंतव्य तक पहुंच सकते हैं।

बड़े वाहनों के लिए रूट डायवर्जन: भारी वाहनों के लिए, महमूद नगर ढाल रोड को वैकल्पिक मार्ग के रूप में निर्धारित किया गया है। बड़े वाहन इसी रास्ते से लखनऊ-हरदोई रोड पर आवागमन कर सकेंगे। इस दौरान स्थानीय पुलिस और प्रशासन द्वारा ट्रैफिक व्यवस्था को संभालने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि जाम जैसी स्थिति न उत्पन्न हो और लोगों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े।

वहीं दूसरी ओर, मलिहाबाद क्षेत्र में माल रेलवे फ्लाईओवर का निर्माण कार्य भी तेजी से प्रगति पर है। इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करें और अनावश्यक रूप से बंद रेलवे क्रॉसिंग की ओर न जाएं, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना से बचा जा सके।

बिसवां बार एसोसिएशन चुनाव के दूसरे दिन भी नामांकन में दिखा उत्साह,8 अप्रैल को होगा मतदान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर) बिसवां बार एसोसिएशन की वर्ष 2026-2027 की कार्यकारिणी के चुनाव के तहत नामांकन के दूसरे दिन भी अधिवक्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। शनिवार को विभिन्न पदों के लिए प्रत्याशियों ने पूरे जोश और समर्थकों के साथ अपना-अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए शिव सागर,संयुक्त सचिव प्रकाशन पद पर प्रशांत सिंह तथा कनिष्ठ कार्यकारिणी पद के लिये गुंजन कौशल एडवोकेट ने वरिष्ठ अधिवक्ता आर. एन. सिंह, राजकिशोर यादव एडवोकेट, दिनेश श्रीवास्तव एडवोकेट, अशोक वर्मा एडवोकेट नीरज कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट, इंतखाब आलम सिद्दीकी एडवोकेट एवं संतोष कठेरिया एडवोकेट अनमोल कन्हैया, राम किशोर वर्मा एडवोकेट सहित अधिवक्ताओं की अगुवाई में नामांकन दाखिल किया।

इस अवसर पर जितेन्द्र मिश्रा, आलोक श्रीवास्तव,प्रदीप विश्वकर्मा, कृष्ण कुमार वैश्य, अश्विनी श्रीवास्तव, सत्यम त्रिवेदी, रवि मौर्या, प्रमोद यादव, अनुज यादव, रेनू राजपूत, प्रदीप गौतम नामांकन के दौरान तहसील परिसर में गहमागहमी का माहौल रहा और प्रत्याशियों के समर्थन में अधिवक्ताओं की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, सोमवार 6 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच एवं पर्चा वापसी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद 8 अप्रैल, बुधवार को मतदान कराया जाएगा तथा उसी दिन शाम को मतगणना के उपरांत चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। बिसवां बार एसोसिएशन के इस चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में खासा उत्साह है और सभी प्रत्याशी अपने-अपने समर्थन में माहौल बनाने में जुटे हुए हैं।

चारबाग स्टेशन-एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की झूठी सूचना देने वाला गिरफ्तार, साजिश रचने की वजह भी चल गई पता

चारबाग स्टेशन-एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की झूठी सूचना।

निजी रंजिश में फंसाने के लिए दी थी फर्जी खबर।

आरोपित उमेश कुमार गिरफ्तार, मोबाइल बरामद, जेल भेजा।

लखनऊ। थाना जीआरपी चारबाग पुलिस ने चारबाग रेलवे स्टेशन व एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की झूठी सूचना देने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपित ने निजी रंजिश के चलते दूसरे व्यक्ति को फंसाने के लिए फर्जी काल की थी। पुलिस ने उसके कब्जे से मोबाइल फोन भी बरामद किया है। जीआरपी इंस्पेक्टर धर्मवीर सिंह के मुताबिक संदिग्ध यात्रियों की चेकिंग चल रही थी। तभी फर्जी सूचना देने वाले को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपित आलमबाग के भिलावा निवासी उमेश कुमार है। जांच में सामने आया कि आरोपित अपनी पत्नी और कार्तिकेय नामक युवक के बीच बातचीत से नाराज था। कई बार मना करने के बावजूद बातचीत बंद न होने पर उसने साजिश रची। आरोपित ने अपनी पत्नी के मोबाइल फोन, जो कार्तिकेय के नाम पर दर्ज था, का इस्तेमाल करते हुए 1090 पर काल कर चारबाग रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की झूठी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और तत्काल जांच शुरू की गई। जांच के बाद मामला फर्जी पाए जाने पर जीआरपी चारबाग थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपित को जेल भेज दिया।

कोई न छूटे अबकी बार, शिक्षा है सबका अधिकार.....

बिसवां (सीतापुर)। शासन के निर्देश पर इन दिनों बेसिक परिषदीय विद्यालयों में स्कूल चलो अभियान के तहत रैलियां निकाल कर अभिभावकों को जागरूक किया जा रहा है। जिसके तहत बिसवां विकास खण्ड के उच्च प्राथमिक विद्यालय देबियापुर में शनिवार को स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकाली गई। रैली को प्रधानाध्यापक देवेन्द्र कुमार वर्मा ने ग्राम प्रधान व एसएमसी अध्यक्ष की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बच्चे स्लोगन लिखा बैनर 'कोई न छूटे अबकी बार, शिक्षा है सबका अधिकार' व 'मम्मी पापा हमें पढ़ाओ, स्कूल चलकर नाम लिखाओ' एवं 'आधी रोटी खाएंगे, स्कूल पढ़ने जायेंगे' लेकर नारे लगाते चल रहे थे। यह रैली विद्यालय से शुरू होकर देबियापुर गांव में होते हुए चौराहा व बाजार होते हुए पुनः विद्यालय पहुंची। इसके पश्चात आज मुख्यमंत्री के स्कूल चलो अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण टेबलेट और साउंड के माध्यम से सभी बच्चों को दिखाया व सुनाया गया इस मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं के अलावा अभिभावक मौजूद रहे।

पैतृक गांव पहुंची असिस्टेंट कमिश्नर बनी शिवानी सिंह का भव्य स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली- पैतृक गांव पहुंची असिस्टेंट कमिश्नर बनी शिवानी सिंह का भव्य स्वागत। जनई गांव निवासी राकेश सिंह की पुत्री शिवानी सिंह ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शिवानी सिंह का चयन जीएसटी विभाग में असिस्टेंट कमिश्नर के पद पर हुआ है। उनकी इस सफलता से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। शनिवार को गांव लौटी शिवानी सिंह का पहला स्वागत बछरांवा के चुरुवा स्थित हनुमान मंदिर पर किया गया। जहां पूर्व विधायक राम लाल अकेला व चेयरमैन शिवेंद्र राम जी समेत क्षेत्र के दर्जनों लोगों ने स्वागत किया। उसके बाद महराजगंज कस्बे में भी जगह जगह स्वागत किया गया। दोपहर करीब 12 बजे जनई गांव स्थित सीताराम मंदिर परिसर में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में असिस्टेंट कमिश्नर बनी बेटी को आशीर्वाद व सम्मान देने के लिए क्षेत्र के लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। इस दौरान गांव की महिलाओं व युवाओं ने फूल-मालाएं व बुके देकर शिवानी सिंह का स्वागत किया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रहे पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अवधेश सिंह ने कहा कि बिटिया शिवानी सिंह युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। उनकी सफलता पर आज पूरा क्षेत्र गौरवान्वित है। कार्यक्रम में मौजूद शिवानी सिंह के माता-पिता को भी सम्मानित किया गया। बेटी की इस उपलब्धि से परिवार समेत क्षेत्र के लोगों में गर्व की भावना है। ग्रामीणों व शुभचिंतकों ने शिवानी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि प्रदीप चौधरी, असरफाबाद के प्रधान ऋषि सिंह, टीसाखानापुर के प्रधान अत्रिकांत, अनुराग सिंह , करन सिंह, हरिहर सिंह, जयभद्रसिंह , शिवनायक सिंह, पूर्व प्रधान राम सेवक सिंह, भोलू सिंह, शैलेन्द्र सिंह, राजकुमार मोगा सिंह, सेवानिवृत्त शिक्षक दयाशंकर सिंह, ताजुद्दीन पुर के प्रधान प्रमोद साहू, शिवम सिंह, दुर्गेश सिंह, शिक्षक हेमंत सिंह, चंद्रमोहन सिंह समेत सैकड़ों महिलाएं व ग्रामीण मौजूद रहे।

देवगांव कंपोजिट विद्यालय में वार्षिक उत्सव धूमधाम से संपन्न

● मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। विकास क्षेत्र डलमऊ के कंपोजिट विद्यालय देवगांव में वार्षिक उत्सव एवं परीक्षा फल वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक गया बक्स सिंह उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में एनपीआरसी एवं प्रधानाध्यापक उमराभऊ बृजेश बाजपेई और सेवानिवृत्त नेवी अधिकारी दिवाकर विक्रम सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं निर्देशन वर्तमान इंचार्ज प्रधानाध्यापक कुलदीप ने किया। कार्यक्रम का आकर्षक संचालन विद्यालय की अध्यापिका आकांक्षा यादव ने किया। शुभारंभ कक्षा 6, 7 व 8 की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना और स्वागत गीत के साथ हुआ। इसके बाद कक्षा 1 से 8 तक के छात्र-छात्राओं ने 'देश रंगीला' गीत पर मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं राधा-कृष्ण भक्ति गीतों पर आधारित नृत्य ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। छात्रों द्वारा मोबाइल के दुष्प्रभाव पर आधारित नाटक भी प्रस्तुत किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इस प्रस्तुति में अध्यापिकाओं दीपशिखा सिंह, कनक मिश्रा और रश्मि वर्मा का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम के दौरान कक्षा 1 से 8 तक के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को परीक्षा परिणाम के साथ पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के खेल शिक्षक रोहित ने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के शिक्षक-शिक्षिकाएं-महामाया त्रिवेदी, सुनीता यादव, शशिकांत मिश्रा, आरती सिंह, चंद्रेश त्रिवेदी, बिट्टन सहित बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

भागवत कथा के चौथे दिन राम अवतार.कृष्ण अवतार.वामन अवतार को सुनकर श्रोता हुए मंत्र मुग्ध

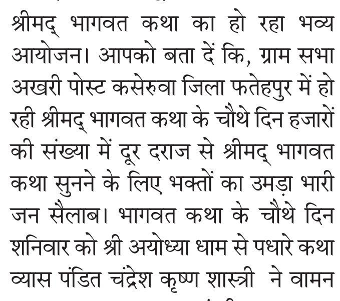

महराजगंज/रायबरेली। अखरी पोस्ट कसेरुवा में ससवेदी, गणेश आविका, रूद्र हनुमत देव, सहित मोक्षदायिनी श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन मुख्य यजमान शिव सिंह, सपलीक किरन सिंह, के यहां आनंद मिश्रा के द्वारा संकल्पित सातवीं श्रीमद् भागवत कथा का हो रहा भव्य आयोजन। आपको बता दें कि, ग्राम सभा अखरी पोस्ट कसेरुवा जिला फतेहपुर में हो रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन हजारों की संख्या में दूर दराज से श्रीमद् भागवत कथा सुनने के लिए भक्तों का उमड़ा भारी जन सैलाब। भागवत कथा के चौथे दिन शनिवार को श्री अयोध्या धाम से पधारे कथा व्यास पंडित चंद्रेश कृष्ण शास्त्री ने वामन अवतार कृष्ण अवतार एवं श्री राम अवतार की कथाओं का विस्तार रूप से व्याख्यान किया। कथा व्यास ने बताया कि, वामन अवतार में भगवान नारायण राजाबली से भगवान वामन ने तीन पग भूमि मांगी अपने गुरु शुक्राचार्य के माना करने पर भी राजाबली वामन भगवान को तीन पग भूमि दान कर दी। वामन भगवान ने तीन पग में ही पूरे ब्रह्मांड को नाप लिया। और राजाबली भगवान वामन को अपने द्वार पर खड़े रहने के लिए वरदान मांगा। कथा व्यास ने बताया कि, माता देवकी के गर्भ में आठवें पुत्र के रूप में भगवान श्री कृष्ण ने जन्म लिया और कंस का वध कर दिया। कथा व्यास ने कृष्ण जन्म, वामन अवतार, राम अवतार, जैसे विभिन्न कथाओं का वर्णन करते हुए पांडाल में बैठे हजारों श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस मौके पर यज्ञ शाला के मुख्य आचार्य पंडित सीताराम शास्त्री, यज्ञाचार्य सुबोध शास्त्री, उपयज्ञाचार्य योगेंद्र नाथ त्रिपाठी, व्यवस्थापक शीतला वकस सिंह, श्रवण मिश्रा, शेर सिंह, विजय बहादुर सिंह, राजा सिंह चौहान, अक्षत सिंह, शुभम सिंह, मोनू सिंह, विक्रम सिंह, हर्षित सिंह, निखिल सिंह, रंग बहादुर सिंह, धीरेंद्र सिंह, शिवेंद्र सिंह, कुलदीप एवं समस्त मित्रगण सहित आदि भक्त उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत भटपुरवा विकासखंड हलिया मिर्जापुर

पत्रांकः मेमो/sBm रा वि अ. /के.वि.अ./मनरेगा व अन्य मद /2026-27
दिनांक06/04/2026

अल्पकालीन निविदा

कार्यालय ग्राम पंचायत भटपुरवा विकासखंड हलिया जनपद मिर्जापुर द्वारा वर्ष 2026-27 मे/वी0बी0 राम0जी/15-16 वा वित्त/पंचम-छटम राज्य वित्त/स्वच्छ भारत मिशन/आर 0जी0 एस0 ए0/योजना अंतर्गत व ग्राम पंचायत को अन्य निधियो से प्राप्त होने वाली धनराशि से ग्राम पंचायत में कराए जाने वाले कार्यों में सामग्री आपूर्ति हेतु व्यापार कर/आयकर विभाग में पंजीकृत फर्मो को निविदा प्रशासन के माध्यम से निम्नवत सामग्री आपूर्ति हेतु आमंत्रित किया जाता है। सभी प्रकार के बालू, सीमेंट, ईट, इंटरलॉकिंग, ईट ब्रिक स्टोन गिट्टी, स्टोन गिट्टी/सोलिंग, राउण्डे स्टील बार, स्टील/ सरिया, माइल्ड स्टील, प्राइमर व पेंट चुना, डिस्टेम्पर, स्टील/एजबेस्टन, हयुम पाइप, मोरंग मिक्स, मटेरियल/जी0एस0बी0, बोल्डर पटिया, गाटर, ट्रैक्टर द्वारा मिट्टी हैंड पंप सामग्री, व मशीन द्वारा हैंडपंप री-बोर, सबमर्सिबल, प्लास्टिक पानी टंकी, टाइल्स, कोटा स्टोन, प्लास्टिक शीट, स्टोन डस्ट, शौचालय सामग्री, पी0वी0सी0 पाईप, लोहे /फाइबर/एल्युमिनियम दरवाजा/खिड़की, पानी का टैंकर, टैंकर द्वारा पानी की आपूर्ति, स्ट्रीट, सोलर लाइट निर्माण, संबंधित उपकरण बिजली उपकरण व अन्य सामग्री जे0सी0बी0 कंप्रेशर ब्राईबेटर, मिक्सर मशीन, रोलर का भाड़ा,पर आपूर्ति, ट्राई साइकिल/ठेलिया रिक्शा), ई रिक्शा, स्वच्छता संबंधित समस्त सामग्री, फागिंग मशीन, व अन्य सामग्री ग्राम पंचायत के आवश्यकता अनुसार इच्छुक आपूर्तिकर्ता फर्म निविदा प्रपत्र कार्यालय के किसी भी कार्य दिवस में मूल्य 500/- रुपया में प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक फर्म सामग्री दर कार्य स्थल तक आपूर्ति एवं अनुमन्य कर आदि सहित बंद लिफाफे में पंजीयन प्रमाण पत्र स्वहस्ताक्षरित छाया प्रति के साथ जमा करना होगा। टेंडर नियत तिथि10/04/2026 दिन को ग्राम पंचायत कार्यालय में खोला जाएगा । टेण्डरदाता जो उपस्थित रहना चाहते हैं। ओ रह सकते हैं। जिस फर्म का टेंडर न्यूनतम होगा उसी का टेंडर स्वीकृत किया जाएगा स्वीकृत फर्म को रुपया 500 का /एन0एस0सी0 एफ0डी0 आर/ग्राम पंचायत के खाता में नगद जमा करके जमारसीद जो ग्राम पंचायत कार्यालय के पास के पक्ष में बंधक होगा उसे मूल रूप में जमा करना होगा टेंडर बिना बताए निविदा अस्वीकृत / निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा टेंडर संबंधित अन्य जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

ग्राम प्रधान
शिव गोविंद चौरसिया

सचिव
विनय कुमार

कार्यालय ग्राम पंचायत मवई कला विकासखंड हलिया मिर्जापुर

पत्रांकः मेमो/sBm रा वि अ. /के.वि.अ./ मनरेगा व अन्य मद /2026-27
दिनांक06/04/2026

अल्पकालीन निविदा

कार्यालय ग्राम पंचायत मवई कला विकासखंड हलिया जनपद मिर्जापुर में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत बहुउद्देशीय स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (फेज-2) के अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन योजना वित्तीय वर्ष 2026 -27 मे निम्नलिखित कार्य आर जी एस ए /एस.बी.एम /16 वा वित्त/ छटवां वित्त/ मनरेगा की धनराशि से होना प्रस्तावित है। निविदा दिनांक 06/04/ 2026 से 10/04/2026 तक किसी भी कार्य दिवस में व्यवसायिक निविदा शुल्क जमा कर प्राप्त करें एवं सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी दरें सील बंद लिफाफे में उक्त तिथियां को कार्यालय अवधि में जमा कर सकते हैं। निविदा दिनांक 10/04/2026 को दिन में 1130:00 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय में गठित समितिके द्वारा खोली जाएगी। जिसमें आपूर्ति की जाने वाली सामग्री ईट,गिट्टी, बालू, सरिया ,सीमेंट, ई -रिक्शा आयरन गेट ,पत्थर, मिट्टी ,आयरन सेट, इलेक्ट्रिक, एवं प्लंबरिंग सामग्री और अन्य सामग्री सहित आवश्यक सामग्री प्राक्कलन के अनुसार 1-नियम व शर्तें उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फार्मो द्वारा वेद प्रमाण पत्र दिखाने एवं जीएसटी की छाया प्रति संकलन करने पर ही निविदा दी जाएगी सामग्री की आपूर्ति निश्चित समय सीमा में गुणवत्ता के अनुरूप किया जाना है तभी भुगतान संभव है निविदा के साथ 100 का स्टांप पेपर संलग्न करना आवश्यक है निविदा स्वीकृत और सुकृत करने का अधिकार गठित समिति में निहित होगा।

ग्राम प्रधान
अनिता देवी

सचिव
सन्तोष कुमार

48 घंटे बाद कहर टूट पड़ेगा, होर्मुज नाकेबंदी पर ट्रंप की ईरान को धमकी

● समय तेज़ी से बीत रहा है - 48 घंटे बाद उन पर कहर टूट पड़ेगा। ईश्वर की महिमा हो! इससे पहले, ईरान के साथ चल रही बातचीत के बारे में आशावाद व्यक्त करने के बाद, ट्रम्प ने महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग को फिर से खोलने की समय सीमा को 10 दिनों के लिए बढ़ाकर 6 अप्रैल कर दिया था।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

समय तेज़ी से बीत रहा है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ अपने नवीनतम हमले में चेतावनी दी है कि अगर तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की उनकी समय सीमा का पालन नहीं करता है, तो उन पर कहर टूट पड़ेगा। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा याद है जब मैंने ईरान को समझौता करने या होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए दस दिन का समय दिया था? समय तेज़ी से बीत रहा है - 48 घंटे बाद उन पर कहर टूट पड़ेगा। ईश्वर की महिमा हो! इससे पहले, ईरान के साथ चल रही बातचीत के बारे में आशावाद व्यक्त करने के बाद, ट्रम्प ने महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग को फिर से खोलने की समय सीमा को 10 दिनों के लिए बढ़ाकर 6 अप्रैल कर दिया था।

ईरान द्वारा अमेरिकी लड़ाकू विमान को मार गिराए जाने के बाद लापता हुए पायलट की तलाश अमेरिका ने शनिवार को तेज कर दी। वहीं, ईरान ने लोगों से पायलट के बारे में जानकारी देने का आह्वान किया और इनाम का वादा किया। ईरान ने अमेरिका के 'एफ-15ई स्ट्राइक ईगल' नामक लड़ाकू विमान सहित दो विमानों को शुक्रवार को मार गिराने का दावा किया था।

इस दौरान एक अमेरिकी सैन्यकर्मी को बचा लिया गया और कम से कम एक पायलट अब भी लापता है। क्षेत्र में गत छह सप्ताह से जारी युद्ध में पहली बार है जब अमेरिका ने ईरानी क्षेत्र में अपने लड़ाकू विमान को खोया है और यह अभियान में एक नया मोड़ साबित हो सकता है। इजराइल और अमेरिका द्वारा शनिवार को ईरान पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले जारी रहे। वहीं, ईरान द्वारा किए गए ड्रोन हमले में दुबई स्थित अमेरिकी तकनीक दिग्गज कंपनी ओरेकल के मुख्यालय को नुकसान पहुंचने की खबर है।

सैन्य विमानों को ईरान द्वारा मार गिराए जाने की खबर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा राष्ट्र को संबोधित किए जाने के दो दिन बाद आई है। ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका ने ''ईरान को हरा दिया है और उसे पूरी तरह से तबाह कर दिया है तथा हम अपने काम को बहुत तेजी से पूरा करने जा रहे हैं।''

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा संगठन (आईएईए) ने शनिवार को जानकारी दी कि ईरान के बुशहर परमाणु संयंत्र के पास किए गए हवाई हमले में एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई और एक इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। युद्ध के दौरान यह चौथी बार है जब इस संयंत्र को निशाना बनाया गया है। ईरान द्वारा अमेरिका के दो लड़ाकू विमानों को मार गिराने के किए गए दावे पर व्हाइट हाउस और पेंटागन दोनों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ट्रंप के बयान बढ़ा रहे अनिश्चितता

इस पूरे घटनाक्रम में ट्रंप के बदलते बयान भी चर्चा का विषय बने हुए हैं। कभी वे युद्ध को तेल से अलग बताते हैं, तो कभी ईरान के तेल संसाधनों पर कब्जे की बात करते नजर आते हैं।

संक्षिप्त खबरें

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम सख्तः लापरवाही पर लेखपाल-कानूनगो को प्रतिकूल प्रविष्टि

बलिया सदर तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने अधिकारियों की लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया। भूमि नापी में देरी के मामले में एक लेखपाल और एक कानूनगो के खिलाफ प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के दौरान कुल 146 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 7 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जनसुनवाई के दौरान विकासखंड दुबहड़ के ग्राम शेरे से भूमि नापी न होने की शिकायत सामने आई। शिकायतकर्ता ने बताया कि संबंधित राजस्व कर्मियों को पहले ही नक्शे के आधार पर नापी के निर्देश दिए गए थे, लेकिन उन्होंने इसमें लापरवाही बरती। इस पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए लेखपाल सत्येंद्र यादव और कानूनगो नंदन कुमार के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए। साथ ही चार लेखपालों, दो कानूनगो और बांसडीह थाना प्रभारी को प्रशासन की मौजूदगी में जमीन की नापी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद के मामलों में राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर त्वरित समाधान सुनिश्चित करे। इस दौरान सीडीओ ओजस्वी राज, एसडीएम सदर तिमराज सिंह, तहसीलदार अतुल हर्ष, अपर पुलिस अधीक्षक कृपा शंकर और सीएमओ समेत कई जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

अस्सलाम वालेकुम लयारी...धुरंधर के बाद एनएमएसीसी में गूंजा अक्षय खन्ना का पॉपुलर डायलॉग, रणवीर ने सबको कहा शुक्रिया

» रणवीर सिंह ने एनएमएसीसी के स्थापना दिवस पर आए नजर

» अक्षय खन्ना का 'अस्सलाम वालेकुम लयारी' डायलॉग दोहराया

» दर्शकों ने बजाई एक्टर के लिए तालियां

नई दिल्ली। रणवीर सिंह इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' (धुरंधर 2) की अपार सफलता और साथ में मिल रही तारीफ एंजॉय कर रहे हैं। फिल्म में अपने दमदार अभिनय से एक्टर ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। 19 मार्च को रिलीज हुई आदित्य धर की इस फिल्म ने पहले ही दिन जबरदस्त कमाई की और बॉक्स ऑफिस के नए रिकॉर्ड बनाए।

मंच पर बजीं रणवीर के लिए तालियां

इस बीच रणवीर पहली बार 3 अप्रैल को एनएमएसीसी (नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर) के तीसरे स्थापना दिवस समारोह में नजर आए। इस बीच वह शो का सबसे बड़े आकर्षण बन गए और लोग जोर-जोर से हूटिंग करते हुए उनके लिए तालियां बजा रहे थे। रणवीर मंच पर थे तो उनकी एनर्जी से वो भी जगमगा उठा। इस कार्यक्रम के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिनमें से एक में उन्हें अक्षय खन्ना की फिल्म धुरंधर के मशहूर डायलॉग को दोहराते हुए दिखाया गया है।

वायरल हो रहे वीडियो में रणवीर सिंह को अक्षय खन्ना के पॉपुलर डायलॉग को दोहराते हुए देखा गया जिसमें वे एक राजनीतिक रैली के दौरान लयारी के लोगों को संबोधित करते हुए कहते हैं, 'अस्सलाम वालेकुम लयारी।' इसे सुनते ही सभी लोगों ने और जोर से रणवीर को चियर किया।

उदयबीर का डायलॉग भी खूब हुआ वायरल

उन्होंने धुरंधर 2 का एक और लोकप्रिय डायलॉग,'घर की याद नहीं आई तुझे, जस्सी?' भी दोहराया। इसे मूल रूप से फिल्म में उदयबीर संधू ने बोला था। यह डायलॉग तब से वायरल हो रहा है और इंटरनेट पर इस पर कई सारे मीम बनाए जा रहे हैं। इसके बाद तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा कल्चरल सेंटर गूंज गया। भावुक और प्रसन्न रणवीर ने जवाब दिया, 'वाह यार,कितना शानदार पल और कितना शानदार माहौल। आप सभी का धन्यवाद।' धुरंधर 2 में संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन, आर माधवन, राकेश बेदी, दानिश पंडोर और गौरव गेर भी लीड रोल में नजर आए।

एकलव्य आवासीय विद्यालय में करोड़ों की खरीदी मामले में गुणवत्ता से खिलवाड़

● गेंहू से कम दाम पर आटा की आपूर्ति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल बिरसिंहपुर पाली- एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पाली जिला उमरिया में सामग्री आपूर्ति के लिए आमंत्रित निविदा प्रक्रिया में जिस तरह से संबंधित निविदा कारो ने दर अंकित कर सस्ते दरो में आपूर्ति कर रहे हैं उससे खरीदी प्रक्रिया में संकट के बादल मंडराने लगे हैं। विदित होवे की जिस दर पर कृषक धान बेच कर उसे घाटे का सौदा मान रहा है उस दर पर निविदा कारो ने चावल आपूर्ति करने का अनुबंध करने जा रही है।

ध्यान देने योग्य है कि एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में अध्ययन रत छात्र - छात्राओं को उत्तम सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए उच्च गुणवत्ता युक्त सामग्री क्रय करने के लिए विद्यालय के प्राचार्य ने अपने पत्र क्र /इ एम आर एस / निविदा/ 2025-26/809 पाली दिनांक 12-3-26 के माध्यम से निविदा प्रक्रिया आमंत्रित कर 01 अप्रैल 26 से 31 मार्च 27 तक सामग्री प्रदान करने के लिए निविदा बुलाई गई थी , जो नियमत?ः खोली जा चुकी है। निविदा खुलने के बाद आपूर्तिकर्ताओं ने प्रतिस्पर्धा में जो दर डालें है, उससे सप्लाई प्रक्रिया संदेश के दायरे में आ गयी है। जग जाहिर है कि मध्यप्रदेश सरकार के व्दारा मोटी धान का समर्थन मूल्य 23.69 प्रति किलो रखा गया है और एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में चावल की आपूर्ति 26.00 रूपये प्रति किलो में करने की तैयारी की गयी है। इसी तरह गेहूँ का समर्थन मूल्य किसान के लिए बोनस सहित 26.25 प्रति किलो रखा गया है तब 25.00 प्रति किलो में आटा की उपलब्धता कराना अपने आप में सवाल खड़ा कर रहा है। इसी तरह अरहर दाल 58.00 प्रति किलो सप्लाई करने की तैयारी है। यह वस्तुऐं तो हांडी के दो दाने के समान है। बाजार मूल्य से कम दाम पर आपूर्ति निश्चित ही माप और गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ करने को आदर्श आवासीय विद्यालय में धूम मचाने को तैयार है। उल्लेखनीय है कि जब बाजार में भारी वृद्धि की संभावनायें बनी हुई है तब एक साल तक कम दर का सौदा करना कही न कहीं खरीदी प्रक्रिया को प्रभावित करने की ओर इशारा करती है। ऐसी स्थिति में विद्यालय के प्रबंध समिति को चाक चौबंद रहने की जरूरत है?

किताबी ज्ञान के साथ विद्यार्थी सीखे शिष्टाचार और संस्कारः- कलेक्टर

● कलेक्टर बने शिक्षक, बच्चों को पढ़ाया शिक्षा का पाठ

बच्चों से पूछे प्रश्न, सटीक उत्तर मिलने पर हुए प्रसन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

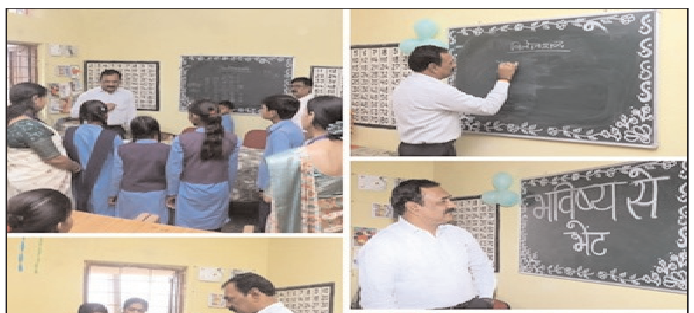

शहडोल 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर डॉ. केदार सिंह शासकीय माध्यमिक विद्यालय मैकी पहुंचकर बच्चों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन करते हुए शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। कलेक्टर ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के बिना कुछ भी संभव नहीं है। शिक्षा से सोचने, समझने और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें, साइकिल, छात्रवृत्ति जैसी अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, जिनका लाभ उठाकर विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर और कड़ी मेहनत से पढ़ाई करने, स्वयं नोट्स बनाने तथा नियमित अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर ने कहा कि सभी विषयों के लिए समय निर्धारित कर अध्ययन करे जिससे प्रत्येक विषय मजबूत रहे। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षकों द्वारा पढ़ाए गए किताबी ज्ञान के साथ-साथ विद्यार्थियों को शिष्टाचार और संस्कार भी सीखना चाहिए।

कलेक्टर ने शिक्षक की भूमिका निभाते हुए बच्चों से विलोम शब्द, पर्यायवाची, पहाड़ा आदि से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका बच्चों ने सटीक उत्तर दिया। बच्चों की समझ और उत्तरों से प्रसन्न होकर कलेक्टर ने उनके शिक्षा की सराहना की।

उन्होंने मध्यप्रदेश के गठन, जोड़-घटाना, गुणा, हिंदी पाठ्यपुस्तक की कहानियां तथा समानार्थी शब्दों को सरल तरीके से समझाकर बच्चों की सीखने की रुचि को और बढ़ाया। भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत कलेक्टर ने विद्यार्थियों को बैग, पेन, कंपास, पाठ्य सामग्रियों का भी वितरण किया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री आनंद राय सिंहा, प्राचार्य श्री संजय पांडे, श्रीमती जयश्री जायसवाल सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कड़ाही पलटने से लगी भीषण आग, समोसा दुकान के साथ जनरल स्टोर भी जला; हजारों का नुकसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया के नरहीं थाना क्षेत्र में शनिवार को एक समोसा-चाय की दुकान में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पास में स्थित एक जनरल स्टोर को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में दोनों दुकानों में रखा सामान जलकर खाक हो गया, जिससे दुकानदारों को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, करीमन यादव अपनी दुकान पर लकड़ी के चूल्हे पर समोसा तल रहे थे। इसी दौरान अचानक कड़ाही अनियंत्रित होकर पलट गई और उसमें भरा गर्म तेल चूल्हे के आसपास फैल गया। तेल के संपर्क में आते ही आग भड़क उठी और झोपड़ीनुमा दुकान को चंद मिनटों में अपनी चपेट में ले लिया।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि बगल में स्थित वशिष्ठ यादव का जनरल स्टोर भी इसकी चपेट में आ गया। दुकान में रखी खाद्य सामग्री, किराना सामान और अन्य जरूरी वस्तुएं जलकर पूरी तरह नष्ट हो गईं। घटना के समय पछुआ हवा चल रही थी, जिससे आग और तेजी से फैलने लगी।

मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए बाल्टी, पानी और अन्य साधनों से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने काफी हद तक आग पर काबू पा लिया। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आग काफी हद तक बुझाई जा चुकी थी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता, तो यह आसपास के अन्य घरों और दुकानों तक फैल सकती थी, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। फिलहाल घटना के बाद दोनों दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

इटियाथोक थाना क्षेत्र में 4 अप्रैल 2026 को मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इटियाथोक। थाना क्षेत्र के मुरलीपुरवा पारासराय गांव में महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी दी गई।यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश शासन और पुलिस अधीक्षक गोंडा विनीत जायसवाल के निर्देश पर आयोजित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय और क्षेत्राधिकारी शिल्पा वर्मा के नेतृत्व में मिशन शक्ति/एंटी-रोमियो टीम ने इस पहल को अंजाम दिया।जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं के प्रति होने वाले अपराधों जैसे छेड़छाड़, शोषण, दहेज उत्पीड़न, बाल अपराध और एसिड अटैक की रोकथाम करना था।

प्रतिभागियों को इन अपराधों से बचाव के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान, महिलाओं और बालिकाओं को मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किए गए मिशन शक्ति अभियान 5.0 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें प्रत्येक थाने में स्थापित किए जा रहे 'मिशन शक्ति केंद्र' के महत्व से भी अवगत कराया गया।

सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों जैसे यूपी आपातकालीन सेवा-112, वीमेन पावर लाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, चाइल्डलाइन-1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-102 और एंबुलेंस सेवा-108 के बारे में बताया गया। इसके अतिरिक्त, साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 की विस्तृत जानकारी भी दी गई और पैम्फलेट्स वितरित किए गए। इस जागरूकता कार्यक्रम में थाना इटियाथोक की मिशन शक्ति टीम से महिला उपनिरीक्षक पूजा कुमारी और आरक्षी अमित कुमार गौड़ शामिल थे।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रही दो बांग्लादेशी महिलाएं पकड़ी गई, बाहरी

दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिला विदेशी सेल ने अवैध रूप से रह रही दो बांग्लादेशी महिलाओं को पकड़ा है। जो यहां रहते हुए, घरेलू सहायिका की नौकरी कर रही थी। पुलिस ने इनके कब्जे से दो मोबाइल फोन और बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान दस्तावेज बरामद किया है। पकड़ी गई महिलाओं में से एक स्नातक तक पढ़ी हुई है। पकड़ी गई महिलाओं की पहचान 47 वर्षीय अफरोजा खातून और 36 वर्षीय लुकी बेगम के रूप में हुई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पकड़ी गई बांग्लादेशी महिलाओं को विदेशी पंजीकरण कार्यालय में पेश करने के बाद इन्हें निर्वासन के लिए हिरासत केंद्र में भेज दिया गया है। जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि अवैध प्रवास पर अंकुश लगाने के विदेशी सेल लगातार जिले में निगरानी कर रही है। पुलिस ने इनकी पहचान के लिए मुखबिरों को सक्रिय किया हुआ है। पुलिस टीम को मुखबिरों के जरिए सूचना मिली कि कुछ बांग्लादेशी महिला घरेलू सहायिका में काम कर रही है और वह भारत में अवैध रूप से रह रही है। इनके शालीमार बाग इलाके में मौजूद होने की जानकारी मिली। निरीक्षक विपिन कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित कर पुलिस इस सूचना को पुख्ता करने में जुट गई। पुलिस ने एक अप्रैल की सुबह दो संदिग्ध महिलाओं को हैदरपुर के पास रोका। शुरुआती पूछताछ में महिलाओं ने खुद को भारतीय नागरिक बताया और कोठियों में घरेलू सहायिका के रूप में काम करने की बात कही।

बिना गाँववासियों की राय लिए मतदान केंद्र बदलनाः फेटिपात में मतदान बहिष्कार का निर्णय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा विकास खंड के अंतर्गत सिंगलाछड़ा ग्राम पंचायत के 7 नंबर वार्ड के निवासियों का लंबे समय से मतदान केंद्र 156 नंबर फेटिपात एलपी स्कूल रहा है। कई वर्षों से वे यहीं अपना बहुमूल्य मताधिकार का प्रयोग करते आ रहे थे। गाँव में शासक दल के कई कार्यकर्ता मौजूद हैं और वे विभिन्न सरकारी सुविधाओं का लाभ भी उठा रहे हैं। साथ ही स्थानीय विधायक के प्रति उनका पर्याप्त सम्मान भी है। लेकिन हाल ही में गाँववासियों ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए बताया कि लगभग 1200 मतदाताओं वाले इस गाँव में 80-85 वर्ष आयु के वरिष्ठ नागरिकों की संख्या भी कम नहीं है।

ऐसी स्थिति में गाँववासियों की राय लिए बिना अचानक लंबे समय से चले आ रहे मतदान केंद्र को बदलकर दरगारबंद जीपी के हरिणटीला गाँव स्थित हिंदी जागरण एलपी स्कूल में स्थानांतरित कर दिया गया। इससे गाँववासियों में भारी असंतोष फैल गया है। इस निर्णय के विरोध में गाँववासियों ने मतदान बहिष्कार का निर्णय लिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस मामले में स्थानीय बूथ अध्यक्ष श्यामल सिन्हा और सचिव दुलाल प्रसाद सिंह ने गैरजिम्मेदाराना रवैया अपनाया है। साथ ही उन्होंने बूथ समिति को बदलने की मांग भी उठाई है और मामले के शीघ्र समाधान के लिए विधायक का ध्यान आकर्षित किया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया, तो वे आगामी चुनाव में मतदान का बहिष्कार करेंगे—यह बात ग्रामीण ने मीडिया को बताई।

डीसी बनाम एमआईः समीर रिजवी ने तूफानी पारी के दम पर रिकॉर्ड बुक में मचाई हलचल, बटलर की खास लिस्ट में बनाई जगह

● समीर रिजवी ने मुंबई के खिलाफ बनाम 90 रन

● दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई को 6 विकेट से हराया

● समीर रिजवी ने खास रिकॉर्ड किया अपने नाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के युवा बल्लेबाज समीर रिजवी आईपीएल 2026 में रेड हॉट फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में कमद रखा। रिजवी ने मुकाबले में अपना इम्पैक्ट भी छोड़ा और 90 रनों की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। समीर ने इसी के साथ एक खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

मुंबई के द्वारा दिए गए 163 रनों के जवाब में समीर की पारी का ही नतीजा था कि उन्हें जीत मिली। एमआई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 162 रन बनाए थे, जिसमें सूर्यकुमार यादव का अर्धशतक शामिल था। हालांकि, रिजवी की तूफानी पारी के आगे उनका अर्धशतक बेकार गया और दिल्ली ने सीजन में लगातार दूसरी जीत हासिल कर ली।

समीर रिजवी ने मुंबई के खिलाफ बनाया रिकॉर्ड

मुंबई के खिलाफ मैच में 22 वर्षीय बल्लेबाज ने 51 गेंदों पर 90 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 6 चौके और 6 गगनचुंबी छक्के जड़े। भले ही वे शतक लगाने से चूक गए लेकिन 90 रनों की पारी के साथ रिजवी ने खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वे इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस लिस्ट में अब वे साई सुदर्शन और जोस बटलर से पीछे हैं।

सुदर्शन इस लिस्ट में पहले स्थान पर काबिज हैं, जिन्होंने नाबाद 108 रनों की पारी खेली थी। उन्होंने 2025 में दिल्ली के खिलाफ ये कारनामा किया था। दूसरे नंबर पर विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर का नाम शामिल है। बटलर ने आईपीएल 2024 में शतक लगाते हुए नाबाद 107 रनों की पारी खेली थी।

इम्पैक्ट प्लेयर के द्वक्क में सर्वश्रेष्ठ स्कोर-

साई सुदर्शन - 108* बनाम दिल्ली कैपिटल्स, 2025

जोस बटलर - 107* बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स, 2024

समीर रिजवी - 90 बनाम मुंबई इंडियंस, 2026

करुण नायर - 89 बनाम मुंबई इंडियंस, 2025

दिल्ली ने जीता मुकाबला

मुंबई के खिलाफ दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। बल्लेबाजी करने के लिए आई मुंबई की टीम बड़ा स्कोर नहीं बना सकी और 162 रन बनाए। हार्दिक पांड्या की जगह मुकाबले में कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने अर्धशतक लगाया और 51 रनों की पारी खेली। दिल्ली के लिए रिजवी के 90 रनों के अलावा पथुम निसंका ने 44 रन बनाए और डीसी को 6 विकेट से जीत दिलाई।

आत्मनिर्भर बनें महिलाएंः सिलाई- कढ़ाई प्रशिक्षण से बदल रही ग्रामीण महिलाओं की तस्वीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा/बहराइच। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल के तहत रघु बाबा समाज सेवा संस्थान द्वारा संचालित निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष राजकुमार दुबे ने कहा कि आज के समय में महिलाओं का आत्मनिर्भर होना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ता है बल्कि परिवार और समाज की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होती है। संस्था के अध्यक्ष ने बताया कि उनकी संस्था विगत कई वर्षों से लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देने का कार्य कर रही है। सिलाई-कढ़ाई जैसे कौशल सिखाकर महिलाओं को स्वावलंबी बनाया जा रहा है, जिससे वे घर बैठे ही अपनी आय का साधन विकसित कर सकें।

उन्होंने यह भी कहा कि संस्था सीमित संसाधनों के बावजूद समाज के सहयोग और चंदे के माध्यम से इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को निरंतर संचालित कर रही है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं की जानकारी भी दी गई। संस्था के सदस्यों द्वारा गांव-गांव जाकर महिलाओं को इन योजनाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है, जिससे वे सरकारी लाभ प्राप्त कर सकें और अपने जीवन स्तर में सुधार ला सकें। इसके परिणामस्वरूप गोंडा और बहराइच जनपद की अनेक महिलाएं इन योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बन रही हैं।इस अवसर पर संस्था के कोषाध्यक्ष राम सुरेश पासवान, लालू पासवान, संतराम गौतम, मुन्नी देवी और सौरभ सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

सभी ने मिलकर इस अभियान को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के अंत में संस्था के पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी इसी प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सके और समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके।